● वर्ष-4
● अंक-53
रायपुर, बुधवार
09 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6 »» अगर आपका बच्चा भी करता है...

जम्मू ने बचाई बीजेपी की लाज, कश्मीर में एनसी-कांग्रेस पर विश्वास

हरियाणा में भाजपा की शानदार जीत, जम्मू-कश्मीर में पिछड़ी

नई दिल्ली। एग्जिट पोल की भविष्यवाणियों को धता बताते हुए बीजेपी ने हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाई। जम्मू-कश्मीर के परिणामों ने भी सभी अनुमानों को धता बताते हुए केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को बड़ी जीत दिलाई। परिणाम आते ही फारूक अब्दुल्ला की तरफ से अपने बेटे उमर अब्दुल्ला को अगले मुख्यमंत्री के रूप में ऐलान भी कर दिया। भाजपा ने हरियाणा में 90 में से 48 सीटें जीतीं; बहुमत का आंकड़ा 46 है। कांग्रेस ने 37 सीटें जीतीं। 1966 में अपनी स्थापना के बाद से किसी भी पार्टी ने हरियाणा में लगातार तीसरी बार जीत हासिल नहीं की है। कभी हरियाणा में ताकतवर रहे ओम प्रकाश चौटाला की इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) ने दो सीटें जीतीं, जबकि दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने दो सीटें जीतीं। जिसने 2019 में भाजपा के साथ गठबंधन किया, वह अपना खाता खोलने में विफल रही।

भाजपा ने 2014 के विधानसभा चुनाव में 47 सीट जीतकर पहली बार अपने बूते हरियाणा में सरकार बनाई थी। साल 2019 के चुनाव में उसे 40 सीट मिली थी। मोदी ने एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में इस महाविजय के लिए हरियाणा की जनता को नमन करते हुए कहा कि यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे।

जम्मू-कश्मीर में जहां एक दशक में पहली बार 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव हुए। कांग्रेस-एनसी गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने 29 सीटें हासिल कीं। महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को तीन सीटें मिलीं। कुछ आश्चर्य की बात यह है कि आप के मेहराज मलिक ने डोडा में जीत हासिल की। बडगाम और गांदरबल निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करने वाले एनसी नेता उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग हमें नष्ट करना चाहते थे, उन्हें नष्ट कर दिया गया। केंद्र शासित प्रदेश में त्रिशंकु विधानसभा की संभावना से विपक्षी दलों को आशंका है कि उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत पांच विधायक सरकार गठन में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बीजेपी को इन चुनावों में बेहतर करने की उम्मीद थी. पार्टी नेता जम्मू में 30 से 35 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे। हालांकि, बीजेपी इस चुनाव में 29 सीटें ही जीत पाई हैं. ये सभी सीटें जम्मू रीजन में हैं।

नई सरकार की 12 को शपथ

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने बाद भाजपा सरकार के गठन की तैयारियां शुरू हो गई है। सरकार के गठन को लेकर चंडीगढ़ से लेकर दिल्ली तक तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, सहप्रभारी बिप्लब कुमार देब ने पूर्व सीएम मनोहर लाल के आवास पर बैठक की। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सीएम सैनी से बातचीत भी की। बताया जा रहा है सीएम नायब सिंह सैनी 12 अक्तूबर को शपथ ले सकते हैं। सीएम पद के लिए नायब सिंह सैनी के चेहरे को लेकर किसी तरह की कोई शंका व संशय नहीं है। भले ही सीएम पद के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत व पूर्व गृह मंत्री अनिल विज दावा ठोकते आ रहे हैं। हरियाणा में जीत दर्ज करने के बाद केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस बारे में हाईकमान और गृह मंत्री पहले ही एलान कर चुके हैं कि नायब सिंह सैनी ही सीएम होंगे। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने के साथ ही मंत्रिमंडल के चेहरों पर भी चर्चा शुरू हो गई है। पुरानी सैनी सरकार के आठ मंत्रियों के हारने के बाद यह तय हो गया है कि मंत्रिमंडल में अब अधिकतर नए चेहरे होंगे। इसमें पूर्व गृह मंत्री अनिल विज, मूल चंद शर्मा और महिपाल ढांडा का मंत्री बनना तय माना जा रहा है।

तानाशाही के खिलाफ हमारी लड़ाई लंबी- खरगे

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्वीट कर लिखा, कांग्रेस पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को काम करने का मौका देने के लिए जम्मू-कश्मीर की जनता का दिल से आभार, हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है। पार्टी जनता की राय का आकलन कर रही है। अपने जमीनी कार्यकर्ताओं से बात करने, पूरी जानकारी लेने और तथ्यों की जांच करने के बाद पार्टी की ओर से विस्तृत जवाब दिया जाएगा। हम कांग्रेस पार्टी को वोट देने के लिए हरियाणा की जनता का आभार व्यक्त करते हैं। हमारे मेहनती कार्यकर्ताओं को निराश होने की जरूरत नहीं है। तानाशाही के खिलाफ हमारी लड़ाई लंबी है।

हरियाणा के नतीजे लोकतंत्र की हार-पवन खेड़ा

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नतीजे पूरी तरह अप्रत्याशित हैं और हम तो यहां तक कहेंगे कि ये अस्वीकार्य हैं। खेड़ा ने दावा किया कि हमारे प्रत्याशी के बारे में तीन जिलों, हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से लगातार शिकायतें आ रही हैं। लगातार शिकायतें आ रही हैं कि कैसे कुछ मशीनों की बैटरियां जो 99त्न थीं उनमें हमें हारते हुए दिखाया गया और जिन मशीनों को छुआ तक नहीं गया, जिनकी बैटरियां 60-70त्न थीं उनमें हमारे उम्मीदवार को जीतता हुआ दिखाया गया। उन्होंने कहा कि अगर एक लाइन में कहा जाए तो ये सिस्टम की जीत और लोकतंत्र की हार है। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम शिकायतें एकत्र कर रहे हैं।

विदेश में देश का अपमान करने वालों को सबक-अमित शाह

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने हरियाणा की जनता का आभार जताया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि हरियाणा में भाजपा की यह प्रचंड जीत किसानों, गरीबों, पिछड़ों, जवानों और युवाओं का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अटूट विश्वास की जीत है। वीरभूमि की जनता ने जाति और क्षेत्र के आधार पर बाँटने वाली कांग्रेस की नकारात्मक और विभाजनकारी राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के 10 वर्षों के विकास और गरीब कल्याण के ट्रैक रिकॉर्ड को चुना है। राहुल गांधी पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि अपने वोट बैंक के लिए विदेश में जाकर देश का अपमान करने वालों को किसानों और जवानों की भूमि हरियाणा ने सबक सिखाया है।

हरियाणा में पीएम के विकास के कार्यों की जीत- स्मृति ईरानी

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। आज के नतीजे विकास, नवभारत के निर्माण के प्रति लोगों के समर्पण का प्रतीक है। हरियाणा में यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हुए विकास के कार्यों की जीत है...मैं सभी को बधाई देती हूं...

कोरबा-बिलासपुर-रायपुर को नागपुर औद्योगिक कॉरिडोर से जोड़ने का प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास व निवेश के प्रस्तावों पर केन्द्रीय मंत्री से चर्चा

नई दिल्ली/ रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। बैठक में राज्य के औद्योगिक कॉरिडोर, अंतर्राष्ट्रीय एयर कार्गो सुविधाओं के विकास और कई अन्य विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कई प्रस्तावों को मंजूरी देने का आश्वासन दिया है, जिससे राज्य को

एक नई दिशा मिलेगी। बैठक का मुख्य मुद्दा छत्तीसगढ़ के औद्योगिक कॉरिडोर का विकास था। मुख्यमंत्री श्री साय ने केन्द्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि कोरबा-बिलासपुर-रायपुर को नागपुर औद्योगिक कॉरिडोर से जोड़ा जाए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस प्रस्ताव को जल्द कार्यान्वित किये जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने इस संबंध में भारत सरकार के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय एयर कार्गो सुविधाओं की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया रायपुर के पुराने टर्मिनल का उपयोग इस सुविधा के लिए किया जा सकता है, जिससे निर्यात में आसानी होगी। केंद्रीय मंत्री श्री गोयल ने इस पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए जल्द मंजूरी देने का आश्वासन दिया। यह सुविधा राज्य के उद्योगों को वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगी। बैठक में एपीडा (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) सर्टिफिकेशन कार्यालय की छत्तीसगढ़ में स्थापना का मुद्दा भी उठाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यालय की स्थापना से छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादों को वैश्विक मान्यता मिलेगी, जिससे किसानों और उद्योगपतियों को लाभ होगा। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर कहा कि भारत सरकार इस पर हर संभव मदद करेगी।

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने डोंगरगढ़ पहुंचकर माँ बम्लेश्वरी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ बम्लेश्वरी से प्रदेशवासियों की खुशहाली, उन्नति व सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राज्यपाल के परिजन भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने ज्योति कलश के दर्शन किए एवं हवन कुण्ड की पूजा की।

प्रमुख समाचार

घोषित मुख्यमंत्री के चेहरे का समर्थन करेंगे: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह महाराष्ट्र को 'बचाने' के लिए विपक्षी गठबंधन में सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) द्वारा घोषित मुख्यमंत्री के किसी भी चेहरे का समर्थन करेंगे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार संभवत: अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विज्ञापनों के जरिये फर्जी विमर्श प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है। ठाकरे ने सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन सरकार की महत्वाकांक्षी 'लाडकी बहिन' योजना की आलोचना करते हुए दावा किया कि सरकार लोगों को उन्हीं का पैसा (योजना के माध्यम से)देकर ''महाराष्ट्र धर्म'' के साथ विश्वासघात करने के लिए मजबूर कर रही है। महाराष्ट्र सरकार की 'लाडकी बहिन' योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए अगले महीने चुनाव होने की संभावना है। ठाकरे ने कहा, '' मैं महाराष्ट्र को बचाने के लिए कांग्रेस या राकांपा (एसपी) द्वारा घोषित किसी भी मुख्यमंत्री चेहरे का समर्थन करूंगा।''

केजरीवाल का चेहरा और दांव सब फ्लॉप

हरियाणा प्रदेश के तीन लाल की चर्चा होना भी लाजिमी है। यानी देवीलाल, बंशीलाल और भजनलाल। एक अरसे तक हरियाणा की राजनीति इन्हीं तीन लालों के ईर्द गिर्द घूमती रही। लेकिन इस बार आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने खुद को हरियाणा का लाल बताते हुए चुनाव में दंभ भरा। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में पहली बार हुआ कि कोई पार्टी तीसरी बार सत्ता हासिल करने में कामयाब हुई है। हरियाणा में कांग्रेस अपनी जीत के लिए आश्वस्त नजर आ रही थी। राज्य की 90 में बहुमत आसानी से पा जाने का दावा कर रही थी। वहीं बीजेपी को बेहद कमजोर बताया जा रहा था। इन सब के बीच दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की एंट्री से मुकाबले को त्रिकोणीय बताया जा रहा था। चुनाव के बिगुल के बीच अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल जाती है। पहले तो पार्टी की तरफ से हरियाणा प्रचार की कमान संभालते हुए सुनीत केजरीवाल विभिन्न मंचों से केजरीवाल की गारंटी का दावा करती नजर आती हैं। फिर खुद को हरियाणा का लाल बताने वाले केजरीवाल खुद मैदान में उतरते हैं।

असम में आनलाइन शेयर कारोबार घोटाला, जांच सीबीआई ने संभाली

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पूरे राज्य भर में दर्ज ऑनलाइन शेयर कारोबार घोटाले के 41 मामलों की जांच आधिकारिक तौर पर संभाल ली है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''ऑनलाइन शेयर कारोबारघोटाले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, हमने भारत सरकार से सभी 41 पंजीकृत मामलों को औपचारिक रूप से सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया था।'' राज्य के मुख्यमंत्री शर्मा के पास राज्य का गृह प्रभार भी है। उन्होंने कहा, ''सीबीआई आधिकारिक रूप से इस मामले को अपने हाथ में ले रही है और राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगी कि जल्द से जल्द न्याय मिले।'' राज्य में ऑनलाइन कारोबार घोटाला अगस्त के अंतिम सप्ताह में प्रकाश में आया था, जब 29 वर्षीय दीपांकर बर्मन की कंपनी में भारी मात्रा में धन लगाने वाले निवेशकों ने शिकायत की कि उसने उन्हें उचित रिटर्न नहीं दिया है और उसका कार्यालय 21 अगस्त से बंद है। वह फिलहाल फरार है।

जाति जनगणना रिपोर्ट को लेकर हमलावर हुई भाजपा

नई दिल्ली। कर्नाटक में चल रहे जाति जनगणना विवाद को लेकर राज्य प्रमुख बीवाई विजयेंद्र ने इसे कैबिनेट में पेश करने के कदम की आलोचना की। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर अपने मुख्यमंत्री पद की रक्षा के लिए इसे जल्दबाजी में आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने सिद्धारमैया की मंशा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने रिपोर्ट में खामियां स्वीकार की हैं। विजयेंद्र ने सुझाव दिया कि जनगणना के लिए मुख्यमंत्री का दबाव उनके प्रशासन और संभावित घोटालों के बारे में बढ़ती चिंताओं से जनता का ध्यान भटकाने का एक हताश प्रयास था। उन्होंने दावा किया कि सिद्धारमैया सत्ता में बने रहने के लिए विवादों में इतने उलझे हुए हैं। मुझे लगता है कि सिद्धारमैया लंबे समय तक अपना मुख्यमंत्री पद बरकरार नहीं रख सकते। उन्होंने आगे कहा कि आरोपों और दबाव का सामना कर रहे सिद्धारमैया अपनी राजनीतिक स्थिति बनाए रखने के लिए जाति जनगणना को %ब्रह्मास्त्र% या आखिरी हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने जाति जनगणना का बचाव करते हुए कहा कि यह वर्षों से चल रही प्रक्रिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया.

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. पी. वेणुगोपाल का निधन

नई दिल्ली। देश में पहला हृदय प्रत्यारोपण करने वाले डॉ. पी. वेणुगोपाल का मंगलवार को निधन हो गया। वह एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक थे। उन्होंने अपने करियर में 50,000 से अधिक हृदय शल्य चिकित्साए की। डॉ. वेणुगोपाल का जन्म सन 1942 में हुआ था। उस समय देश में भारत छोड़ो आंदोलन चल रहा था। 16 साल की उम्र में उन्होंने एम्स दिल्ली को एक छात्र के रूप में 1958 में ज्वाइन किया। साल 1964 में एम्स में प्रथम स्थान हासिल करने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया था। वह साल 1967 में एम्स में कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर बने। साल 1970 में उन्होंने देश में पहला पेसमेकर लगाया। एम्स में साल 1994 में उन्होंने देश का पहला हृदय प्रत्यारोपण किया। उनके कार्यों को देखते हुए साल 1998 में उन्हें पदम भूषण से सम्मानित किया गया। साल 2014 केंद्र सरकार ने लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने 2023 में अपने संस्मरण, हार्टफेल्ट को प्रकाशित किया। यह पुस्तक काफी चर्चा में रही। इस पुस्तक में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सर्जरी की भी चर्चा की है।

सियासत

2011 के बाद कांग्रेस को कहीं भी दूसरा मौका नहीं, अब जाति का जहर फैलाने पर उतारू

पवन पांडेय

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पीएम मोदी ने कहा, जहां-जहां भाजपा सरकार बनाती है, वहां की जनता लंबे समय तक भाजपा को समर्थन देती है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की विचारधारा और उसके घटते जनाधार का दावा करते हुए पूछा, कांग्रेस की हालत कैसी है? पिछली बार कब कांग्रेस की सरकार की वापसी हुई। 13 साल पहले 2011 में असम में उनकी सरकार लौटी थी। उसके बाद जितने चुनाव हुए लोगों ने कहीं भी कांग्रेस को सेकेंड टर्म नहीं दिया है।

कई राज्यों में कांग्रेस के लिए लगा नो एंट्री का बोर्ड

पीएम ने कहा कि देश में कई राज्यों में कांग्रेस लंबे समय पहले थी। 50-60 साल से सत्ता में आई ही नहीं है। एक बार निकालने के बाद लोगों ने कांग्रेस को घुसने नहीं दिया। लोगों ने नो एंट्री को बोर्ड लगा दिया। अब कांग्रेस की पोल खुल चुकी है। उसका डिब्बा गोल हो चुका है। कांग्रेस सत्ता को जन्म सिद्ध अधिकार मानती है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि, जम्मू-कश्मीर में उसके (कांग्रेस के) सहयोगी पहले से ही चिंतित थे कि कांग्रेस की वजह से उन्हें नुकसान हो रहा है और आज के नतीजों ने भी यही दिखाया है। आपको याद होगा कि चुनाव नतीजों में भी हमने यही देखा। लोकसभा में कांग्रेस ने जो सीटें जीतीं, उनमें से आधी उसके सहयोगियों की वजह से ही जीतीं। इसके अलावा जहां सहयोगियों ने कांग्रेस पर भरोसा किया, उन सहयोगियों की नाव डूब गई। कई राज्यों में तो कांग्रेस के खराब प्रदर्शन का खामियाजा उसके सहयोगियों को ही भुगतना पड़ा। कांग्रेस एक ऐसी परजीवी पार्टी है जो अपने सहयोगियों को ही निगल जाती है।

सत्ता न मिलने पर कांग्रेस जल बिन मछली जैसी हो जाती है

पीएम मोदी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, सत्ता न मिलने पर कांग्रेस जल बिन मछली जैसी हो जाती है। इसलिए सरकार में आने के बाद कांग्रेस देश को दांव पर लगाने से बाज नहीं आती है। अब कांग्रेस समाज में जाति का जहर फैलाने पर उतर आई है। जो लोग सोने का चम्मच लेकर पैदा हुए, जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी फाइव स्टार लाइफ जीते आ रहे हैं वे गरीब को जाति के नाम पर लड़वाना चाहता है। कांग्रेस ने दलितों, पिछड़ों पर सबसे ज्यादा अत्याचार किया। कांग्रेस ने उन्हें कई दशकों तक रोटी, पानी, मकान से वंचित रखा। कांग्रेस सत्ता मिलने पर भी दलित और पिछड़े को प्रधानमंत्री नहीं बनने देंगे। कांग्रेस का परिवार इनसे नफरत करता है। दलित, पिछड़ों को आगे जाता देख इनके पेट में चूहे दौड़ने लगते हैं।

कांग्रेस ने तो डंके की चोट पर कहा कि आरक्षण खत्म कर देंगे

पीएम ने कहा कि हरियाणा में इन्होंने दलित और ओबीसी को भागीदारी देने से इन्कार किया। कांग्रेस ने तो डंके की चोट पर कहा कि आरक्षण खत्म कर देंगे। वे आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक में देना चाहते हैं। हरियाणा में भी वो यही करने जा रही थी। कांग्रेस भारत के समाज को कमजोर करके अराजकता फैलाकर देश को कमजोर करना चाहती है। पिछले कुछ समय से भारत के खिलाफ अनेक षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। भारत के लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने के लिए अनेक षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र रचे जा रहे हैं। कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां और उनके सहयोगी दल इस खेल में शामिल हैं। आज हरियाणा ने ऐसी हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया है। हर भारतीय को संकल्प लेना होगा कि हम ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। भारत विकास के पथ से विचलित नहीं होगा।

देश की हर संस्था को बदनाम कर रही कांग्रेस

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश की हर संस्था को बदनाम करना चाहती है। पीएम ने कहा, आपको याद होगा लोकसभा चुनाव के परिणा आने से पहले कांग्रेस ने कितना कोहरा मचाया था। वह इसलिए ताकि चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा को बट्टा लगा सके। कांग्रेस की यह आदत रही है। वह चुनाव आयोग के साथ ही सेना और न्यायापालिक जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं पर दाग लगाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस पर भारतीय अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र को कमजोर करने की वैश्विक साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया।

गरीबों को जाति के नाम पर लड़ा रहे-पीएम

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग सेना का चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए, वह जातियों के नाम पर गरीबों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहते हैं। हमारे दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज को भूलना नहीं है कि ये कांग्रेस ही है, जिसने उनपर सबसे ज्यादा अत्याचार किया है। यह कांग्रेस है, जिसने उन्हें इतने दशकों तक रोटी, पानी, मकान से वंचित रखा।

किसानों, युवाओं को भड़काने की कोशिश की

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस भारतीय समाज को कमजोर करके और भारत में अराजकता फैलाकर देश को कमजोर करना चाहती है। उसने विभिन्न मुद्दों पर किसानों और युवाओं को भड़काने की कोशिश की। उसने हरियाणा में किसानों के विरोध और अग्निपथ योजना को अपना मुख्य मुद्दा बनाया। लेकिन हरियाणा के किसानों, युवाओं और आम लोगों ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया कि वह देश के साथ हैं, भाजपा के साथ हैं।

पामलूर के जंगल में हुई मुठभेड़ किस्टाराम एरिया कमेटी का एक नक्सली ढेर

सुकमा। भेज्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पामलूर के जंगल में हुए मुठभेड़ में किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य लोकेश सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिय है। एएसपी निखिल राखेचा ने बताया कि जिले के भेज्जी थाना क्षेत्रान्तर्गत कोंटा एवं किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्यों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी, बस्तर फाइटर, 206 कोबरा, 208 कोबरा, 131 सीआरपीएफ, 212 सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी ग्राम डब्बाकोंटा, एंटापाड़ बुर्कलंका, पामलूर, सिंघनमडगू व आस-पास के क्षेत्र की ओर नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना हुए थे। सोमवार देर शाम को ग्राम पामलूर के जंगल-पहाड़ी में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली का शव व हथियार बरामद किया गया है। मुठभेड़ में मारे गये नक्सली की पहचान किस्टाराम एरिया कमेटी सदस्य लोकेश के रूप में हुई है, घटनास्थल पर तलाशी अभियान जारी है। विदित हो कि यह मुठभेड़ ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में सुरक्षा बलों ने दंतेवाड़ा-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में 31 नक्सलियों को मार गिराया

था, जिसे देश का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन माना जा रहा है।

बीजापुर में नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में ली ग्रामीण की जान

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम् थाना क्षेत्र अंर्तगत नक्सल प्रभावित क्षेत्र ग्राम पोषणपल्ली नक्सलियों ने बीती रात एक ग्रामीण कन्हैया ताती पिता हुंगा ताती उम्र 55 वर्ष पर मुखबिरी का आरोप लगाकर धारदार हथियार से निर्ममतापूर्वक हत्या के बाद नक्सलियों ने शव को दुब्बापारा पोषणपल्ली पुराना स्कूल के पास फेंक दिया। घटना स्थल पर शव के पास नक्सलियों ने मदेड़ एरिया कमेटी के नाम का पर्चा छोड़ा है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस इस घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी है। भोपालपटनम थाना प्रभारी जीवन कुमार जांगड़े ने बताया कि घटना की सूचना मिली है, मौके पर पुलिस पंहुच गई है, जांच जारी है। लेकिन अभी तक किसी ने भी इस घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई है।

उल्लेखनिय है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लाल आतंक के खिलाफ सुरक्षाबलों को लगातार कामयाबी मिल रही है, जवानों की कार्रवाई से बौखलाए नक्सली लगभग रोजना कायराना करतूत को अंजाम देते हुए ग्रामीणों एवं युवाओं पर मुखबीरी का आरेप लगाकर हत्या को अंजाम दिया जा रहा है नक्सलीयों द्वारा मुखबीरी का आरेप लगाकर हत्या को अंजाम देने की वारदात बीजापुर में सबसे अधिक देखी जा रही है।जिस पर अंकुश लगाना पुलिस एवं प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

पांच महीने बाद एसआईटी ने किया बड़ा खुलासा

हत्या नहीं कोमल ने की थी आत्महत्या, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में कोमल साहू की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। आज से पांच महीने पहले कोमल की लाश पेड़ से लटकी हुई मिली थी। यह कोई हत्या नहीं बल्कि आत्महत्या थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। यह मामला पिपरिया थाना अंतर्गत बिरकोना गांव का है।

कोमल साहू की लाश मिलने के बाद साहू समाज के लोगों ने हत्या की आशंका होने पर शिकायत की थी और मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए गृह मंत्री विजय शर्मा ने एसआईटी गठित किया था, जिसमें 1 पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में 6 पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया था।

जिसके बाद एसआईटी के तहत जांच शुरू की गई। पांच महीने की जांच के बाद यह खुलासा हुआ कि कोमल साहू की मौत आत्महत्या थी। पुलिस के अनुसार, कोमल साहू और उसकी पत्नी रेवती के बीच आए दिन झगड़े होते थे। इसी मानसिक तनाव से परेशान होकर कोमल ने आत्महत्या की। हालांकि, मामले में संलिप्तता की जांच के बाद रेवती साहू और उसके प्रेमी बाला राम साहू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

6 मई को कबीरधाम जिले के बिरकोना गांव के खेत में बबूल के पेड़ पर कोमल साहू की लाश लटकी हुई मिली थी। मामले में पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया था। शव के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान के आधार पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर मामले की जांच की थी।

सरपंच का तुगलकी फरमान, परिवार का हुक्कापानी बंद करने का आरोप

कांकेर। भारत भले ही कितना प्रगतिशील हो जाए।लेकिन आज भी समाज में कुछ ऐसे मामले देखने को मिलते हैं,जो ये सोचने पर मजबूर करते हैं,क्या वाकई हम आजाद हैं। कांकेर के चारामा ब्लॉक में ऐसा ही एक मामला सामने आया है।जहां सरपंच के तुगलकी फरमान के कारण 12 सदस्यों का परिवार परेशान है।परिवार का आरोप है कि गांव के सरपंच ने उनका हुक्कापानी बंद करने का फरमान सुनाया है। जिसके बाद ना तो गांव में उनसे कोई बात कर रहा है और ना ही किसी सामाजिक कार्यक्रम में बुला रहा है।यही नहीं उनकी दुकान से सामान खरीदने वालों पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

कांकेर कलेक्टर के पास जेपरा गांव से 12 सदस्यीय परिवार मदद की गुहार लगाने पहुंचा है। परिवार का आरोप कि उनके गांव के सरपंच ने पूरे परिवार के साथ अन्याय किया है। परिवार के सदस्यों की माने तो गांव ने फरमान सुनाया है कि उनसे गांव का कोई भी व्यक्ति बात नहीं करेगा।यही नहीं उनके दुकान से कोई भी सामान नहीं खरीदेगा।

पीड़ित परिवार का कहना है कि उनकी पैतृक संपत्ति गांव में थी। पैतृक संपत्ति पर ही परिवार ने एक मकान बनवाया।लेकिन मकान बनने के बाद से गांव के सरपंच और दूसरे प्रमुख नाराज हो गए।इसकी वजह परिवार को नहीं बताई गई।फिर एक दिन सभी ने एक मत होकर पूरे परिवार का हुक्कापानी बंद करने का फरमान सुना दिया। अब दो हफ्तों से गांव का कोई भी सदस्य परिवार से किसी भी तरह का कोई नाता नहीं रख रहा है। इसलिए अब परिवार कलेक्टर के पास मदद की गुहार लगाने आया है।

पीड़ित गीतांजलि सिन्हा ने कहा गांव में एकतरफा फैसला सुनाकर हमारा हुक्का पानी बंद कर दिया गया है।यदि हमसे कोई बात करता है तो उस पर जुर्माना लगाने को कहा जाता है। पीड़ित जितेंद्र सिन्हा ने कहा हम लोगों की गांव में एक पैतृक संपत्ति थी। उस जमीन में घर बनाए हैं। जिससे नाराज होकर ग्राम पंचायत सरपंच और प्रमुखों ने हुक्का पानी बन्द कर दिया है। 12 दिन हो गए हैं। हमारे घर कोई आता नहीं है। ना ही बात करते हैं। हमारा आय का जरिया एक दुकान है। वहां भी कोई नहीं सामान लेने आता।

वहीं जेपरा गांव के सरपंच ने ऐसी किसी भी बात से इनकार किया है। जेपरा सरपंच भागवत नेताम से ईटीवी भारत ने इस बारे में बात की तो उन्होंने फोन पर जानकारी दी।नेताम के मुताबिक परिवार का हुक्कापानी बंद नहीं किया गया है। बस गांव के लोग बातचीत नहीं करते हैं। गांव में गुड़ी के जमीन में निर्माण कार्य कराया गया है। जिसे मना करने कर परिवार नहीं माना। उसी कारण गांव के लोग बात नहीं करते हैं। इधर परिवार के लोगों ने एक वीडियो भी बनाया है। जिसमें एक ग्रामीण सायकिल से घूमकर लोगों को ये सूचित कर रहा है कि जितेंद्र सिन्हा और उसके परिवार से हुक्का पानी और आना जाना भी बंद रहेगा। पूरा मामला सामने आने के बाद अब प्रशासन ग्रामीणों से बात करने की बात कह रहा है।

ग्रामीणों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर खोला मोर्चा

मूलभूत सुविधाओं से वंचित 40 गांव, प्रशासन को दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

गरियाबंद। मैनपुर ब्लॉक के राजा पड़ाव क्षेत्र के 8 ग्राम पंचायत के अधीन 40 छोटे बड़े गांव मौजूद है, इन गांव मे पुल-पुलिया समेत शिक्षा और स्वास्थ्य की अधूरी व्यवस्था से ग्रामीण नाराज हैं। कई वर्षों के मांग के बाद बात नहीं बनी तो अब युवाओं ने संगठित होकर मोर्चा खोल दिया है। माह भर पहले ही अंबेडकर वादी युवा संगठन का गठन किया गया है, इसमें प्रभावित 40 गांव के युवा नेतृत्व शामिल है। इसी संगठन के नेतृत्व में रविवार को गोना में विशाल बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक युवा संगठन के अध्यक्ष पतंग मरकाम और जिला पंचायत उपाध्यक्ष संजय नेताम के नेतृत्व में हुआ। जिसमें विगत 30 सितंबर को विभिन्न मांगों को लेकर सौंपे गए ज्ञापन पर प्रशासन द्वारा अब तक क्या कदम उठाया गया है, उसकी जानकारी लेने बुधवार को ग्रामीणों का जंबो प्रतिनिधि मंडल जिला कार्यालय पहुंचेगा।

पतंग और संजय ने कहा कि पहल नहीं हुई है तो 15 दिन का समय दिया जाएगा। फिर क्षेत्र में मौजूद अधूरी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवाथा का बहिष्कार किया जायेगा। क्षेत्र के प्रमुख बुजुर्ग प्रताप सिंह नेताम ने दो टूक कहा कि निशुल्क राशन देकर हमे हमारे हाल पर छोड़ दिया गया है, जिस राशन को लेकर शासन प्रशासन ताना देती है अब उस राशन का भी बहिष्कार करने का निर्णय बैठक में लिया गया है। वर्षों से लंबित मांगों को लेकर चिंगारी फूटी तो युवाओं ने अब अपने अधिकार की मांग के लिए आर पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है।इस महत्वपूर्ण बैठक में गोना सरपंच सुनील मरकाम, बुधलाल नेताम, मेहतर नेताम, दीनाचंद मरकाम, श्रीराम मरकाम, दशरथ मरकाम, फूलचंद मरकाम,रविंद्र मरकाम, गोकुल नेताम,महेश सूर्यवंशी,भकचंद नेताम सहित मीटिंग में सैकड़ों की संख्या मेंक्षेत्रभर से युवा और बुजुर्ग शामिल हुए थे।

अधिकार की सुरक्षा का आग्रह न्यायालय से भी

ग्रामीणों ने इस बार अपनी लड़ाई में वैधानिक पहलुओं पर ध्यान दिया है।30 सितंबर को कलेक्टर के नाम एसडीएम पंकज डाहिरे को सौंपे गए ज्ञापन के साथ-साथ अतरिक्त जिला एवम सत्र न्यायधीश गरियाबंद के नाम भी ज्ञापन सौंप अपने मूलभूत अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय के समक्ष भी गुहार लगाया। ग्रामीणों द्वारा रणनीति के तहत सौपी गई मांग और संघर्ष के तरीके को लेकर जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया है।

मामले में प्रशासन का पक्ष रखते हुए मैनपुर ब्लॉक के जनपद सीईओ डी एस नागवंशी ने बताया की पुल-पुलिया की मंजूरी मिल गई है। टेंडर कोई नहीं ले रहा था, इस पर नए सिरे से पहल हुई है। स्कूल मरम्मत के कम बजट वाले काम शुरू कर दिए गए हैं। शिक्षक की कमी की पूर्ति के लिए शासन स्तर से पत्राचार किया जा रहा है। बिजली का सर्वे कार्य भी पूरी हो चुकी रिपोर्ट दिल्ली भेजा जा रहा है। क्षेत्र वासियों के प्रत्येक मांगो को प्रशासन अपने स्तर पर पूरी करने में लगी हुई है। 3 से 4 माह के भीतर ज्यादातर मांगे पूरी हो जाएंगे। इसलिए क्षेत्र वासियों से सहयोग की अपील करते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

दिलीप षडंगी ने जसगीत से खराब सड़क की सुनाई व्यथा

लोरमी। मुंगेली जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली मुख्य सड़क का हाल बेहाल है। इसके चलते लोग आए दिन परेशान होते रहते हैं। जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन पर लोगों की नाराजगी भी देखने को मिलता है। इस समस्या को लेकर छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक गायक दिलीप षडंगी ने शारदीय नवरात्र के अवसर पर लोरमी में आयोजित जसगीत कार्यक्रम में जसगीत के माध्यम से लोरमी-मुंगेली को जोड़ने वाली खराब सड़क की व्यथा को सुनाया, जिसे सुनकर मौके पर मुख्य अतिथि के रूप पर मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि अब दिलीप भैया कमर दर्द नहीं होगा। दरअसल केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने सड़क निर्माण की स्वीकृति दे दी है। काम भी जल्द शुरू हो जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा, रोड की स्थिति बहुत जल्द सुधरने वाली है। नीतीश गडकरी ने रोड बनाने के लिए पैसा दे दिया है, जिसका लाभ आम लोगों को जल्द ही मिलेगा। सांसद साहू ने कहा, लोरमी मुंगेली रोड का टेंडर हो गया है। काम चल रहा है। नांदघाट से मुंगेली तक के लिए गड़करी ने स्वीकृति प्रदान कर दिया है।

महतारी वंदन के पैसे से दंपती ने पी शराब, फिर पत्नी की हत्या

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक दंपति ने महतारी वंदन योजना की राशि से शराब पिया। फिर दोनों के बीच पैसे को लेकर विवाद हुआ। इस दौरान पति ने मुक्के से पत्नी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे उसकी मौत हो गई। यह मामला कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक ग्राम सैला की रहने वाली सुन्नी बाई को महतारी वंदन योजना के तहत 1000 रुपए हर माह मिल रहे थे। सुन्नी बाई और उसके पति महिपाल धुनुहार उर्फ महिलाल ने बैंक से एक हजार रुपए निकाला। फिर दोनों ने 200 रुपए खर्च कर शराब खरीदा और एक साथ पिया। इसके बाद सुन्नी बाई ने बचे हुए 800 रुपए मांगे। इस पर पति ने कहा, सब खर्च हो गए। इसी बात पर दोनों में विवाद बढ़ गया और पति ने मुक्के से पत्नी के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे वह बेहोश हो गई। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। डायल 112 की टीम ने सुन्नी बाई को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

खाई में गिरी कार, बाल-बाल बचे चिकित्सा अधिकारी

गरियाबंद। सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ डॉ. सुनील रेड्डी कार दुर्घटना में बाल-बाल बचे। नेशनल हाइवे 130 सी पर बारूका और कचना धुरवा के बीच में कार गहरे खाई में जा गिरी थी। जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त डॉक्टर रेड्डी अपनी कार खुद चला रहा थे। इस हादसे में उन्हें सामान्य खरोच भर आई है। हादसा साइड देते वक्त अचानक मोड़ में कार के अनियंत्रित होने से हुआ है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए डॉ। रेड्डी घटना स्थल पर बेहोश हो गए थे। होश में आने के बाद उन्होंने खुद जिला अस्पताल में सहयोगी को संपर्क कर मदद के लिए बुलाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।

घर के अंदर बरामदे में मिली खून से लथपथ लाश

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंगापुर बस्ती में एक घर पर बरामदे में खून से लथपथ लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। वह इसकी सूचना पुलिस को दी गई। जहां मौके पर पहुंची और जांच की। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने डॉग्स गॉड और फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम को मौके पर बुलाया। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ नगर सेवा में पदस्थ सुक्रिता सिंह कंवर और उसका पति शिव प्रसाद कंवर अपने चार बच्चों के साथ निवास करते हैं। जिसके तीन बेटी और एक बेटा है। तीनों बेटी बाहर पढ़ाई कर रही है। वहीं बेटा साथ में रहता है। सोमवार की रात लगभग सात बजे सुक्रिता सिंह कंवर प्रयाग छात्रावास में अपने ड्यूटी पर चले गए। वहीं उसका बड़ा बेटा डांडिया करने दोस्तों के साथ चला गया। घर पर शिव प्रसाद कंवर अकेले था। आठ बजे रात लगभग पास में ही रहने वाले मृतक के ससुर मंगल सिंह कंवर जब अपनी बेटी के घर पहुंचा। इस दौरान घर का मैन गेट खुला हुआ था। वहीं घर के बरामदे में खून से लथपथ शिव प्रसाद कंवर की लाश पड़ी थी।

युवती ने पानी के तेज बहाव में लगाई छलांग

कोरबा। कोरबा के मध्य स्थित सोनालिया चौक के पास रात लगभग नौ बजे एक युवती पानी की तेज बहाव में छलांग लगा दी। जहां युवती कूदते देखा पुलिसकर्मी और एक युवक युवती को बचाने के लिए कूद पड़े। काफी प्रयास के बाद भी युवती का पता नहीं चला। बताया जा रहा है कि युवती सोनालिया नहर के पास काफी समय से घूम रही थी। वहीं, अचानक नहर की रेलिंग पर चढ़कर वह कूदने ही वाली थी कि चौक पर तैनात यातायात के जवान कृष्णानंद ने उसे रोकने के लिए आवाज दी और उसकी तरफ दौड़े। लेकिन उसके पहुंचने तक युवती नहर में चलांग लगा दी। युवती को बचाने के लिए कृष्णानंद और अन्य युवक गोलू पटेल ने भी नदी में छलांग लगा दी। काफी मशक्कत के बाद युवती का पता नहीं चल सका। बताया जा रहा है कि नहर में पानी का काफी तेज बहाव था। जिसके चलते युवती को बचाया नहीं जा सका। युवती कौन है और कहां के रहने वाली इस बात का अब तक पता नहीं चलता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

अबूझमाड़ मुठभेड़ : प्रमुख महिला नक्सली ने अपनी आखिरी बैठक में किया था सड़क निर्माण का विरोध

रायपुर। अबूझमाड़ एनकाउंटर से पहले हुई बैठक माओवादियों के सबसे मजबूत संगठन दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की सदस्य 45 वर्षीय नीति उर्फ उर्मिला के लिए आखिरी बैठक साबित हुई, जिसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम था। सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिला सीमा पर थुलथुली और गवाड़ी गांवों के बीच जंगल में भीषण गोलीबारी में नीति सहित 31 नक्सलियों को मार गिराया।

ऐसा लगता है कि गवाड़ी के निवासी मारे गए विद्रोही की राह पर चल पड़े हैं, क्योंकि वे अपने गांव में पुलिस शिविर की स्थापना के डर से कोई सड़क नहीं चाहते हैं। थुलथुली, गवाड़ी और आसपास के गांवों को पीएलजीए कंपनी नंबर 6 के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना माना जाता था। माओवादियों का नेतृत्व नीति कर रही थी, इससे पहले पिछले हफ्ते सुरक्षाकर्मियों ने इसे भेद दिया था।

पुलिस ने कहा कि पीएलजीए कंपनी नं. 6 नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिलों के जंक्शन पर सक्रिय है, जहां माओवादी अक्सर अपना प्रचार करने और ग्रामीणों का ब्रेनवॉश करने के लिए बैठकें करते हैं। नीति ने मुठभेड़ से दो दिन पहले गवाड़ी में ग्रामीणों के साथ एक बैठक की थी। उनका अंतिम शब्द था कि पुलिस शिविर स्थापित करने और सड़कें बनाने की अनुमति न दें। हम ऐसी सड़कें नहीं चाहते जैसे वे बन जाएंगी।

गवाड़ी के एक 30 वर्षीय ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, जल, जंगल और जमीन हमसे छीन ली जाएगी। नीति पड़ोसी बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के इरमागुंडा गांव की मूल निवासी थीं। किसान होने का दावा करने वाले ग्रामीण ने दावा किया कि सुरक्षाकर्मी एक साल में दो बार गवाड़ी गए थे। अपने दौरों के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों से

पूछताछ की और पूछताछ करने वालों में वह भी शामिल थे, उन्होंने किसी भी ग्रामीण के नक्सलियों के साथ संबंध से इनकार किया।

उन्होंने कहा कि मुठभेड़ के दिन वह दोपहर के भोजन के बाद घर के काम में व्यस्त थे, तभी पहाड़ियों की चोटी से गोलियों की आवाज जंगल में गूंज उठी। उन्होंने बताया कि यह कोई असामान्य आवाज नहीं थी, क्योंकि यह नक्सलियों का मुख्य क्षेत्र है, लेकिन जब गोलीबारी जारी रही, तो ग्रामीणों को एहसास हुआ कि कुछ बड़ा हुआ है। कुछ घंटों के बाद, उन्होंने ऊपर देखा और देखा कि एक घायल जवान को एयरलिफ्ट करने के लिए उनके गांव के पास एक हेलीकॉप्टर उतर रहा था। धीरे धीरे उस आदमी को पता चला कि कई नक्सली मार गिराए गए हैं।

गवाड़ी जंगल के निकटतम गांवों में से एक है, जहां मुठभेड़ हुई। इसमें 24 साल पहले छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद से आतंकवाद विरोधी अभियान में माओवादियों की सबसे अधिक संख्या में मौतें हुईं। नारायणपुर जिले के अनूठे गांवों में से एक, गवाड़ी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की सीमा से लगे ओरछा विकास खंड के अंतर्गत थुलथुली ग्राम पंचायत में आता है। अबूझमाड़ के जंगलों के भीतर स्थित, गवाड़ी तक पहुंचना कठिन है। ओरछा से आगे मोटर योग्य सड़कें नहीं हैं। क्षेत्र के आखिरी पुलिस स्टेशन ओरछा से लगभग 30 किमी तक बाइक पर पहाड़ी इलाकों की पगडंडियों और कम से कम 7 नालों से होकर गुजरना पड़ता है। ओरछा से आगे कोई सुरक्षा शिविर नहीं है। गांव में अबूझमाड़िया जनजाति के 30 परिवार हैं। गांव को एक ही दूरसंचार सेवा प्रदाता से मोबाइल फोन कनेक्टिविटी मिलती है, लेकिन रेंज अनियमित है, जिससे निवासियों को मोबाइल नेटवर्क तक पहुंचने के लिए एक विशेष स्थान पर इकट्ठा होने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

ग्रामीण कोसरू वड्डे ने कहा जिले के अभुजमाड़ क्षेत्र के कई गांव बिना सर्वेक्षण (राजस्व रिकॉर्ड के संदर्भ में) हैं, जिससे आदिवासी विभिन्न सरकारी योजनाओं द्वारा दिए जाने वाले लाभों से वंचित हैं। ग्रामीण बेहतर स्कूल, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं चाहते हैं, लेकिन सड़कें नहीं। सड़क बनाए बिना उनके लिए सुविधाओं की व्यवस्था करना सरकार पर है। आठवीं कक्षा की पढ़ाई छोड़ने वाला वड्डे गांव का सबसे शिक्षित व्यक्ति है। गवाड़ी में एक प्राथमिक विद्यालय है, जहां वड्डे मध्याह्न भोजन पकाने का काम करता है। उन्हें अपने और स्कूली बच्चों के लिए ओरछा से राशन लाना पड़ता था, जो एक कठिन काम है। उन्होंने नक्सलियों द्वारा डराने-धमकाने की बात से इनकार करते हुए कहा कि उनका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने कहा, गवाड़ी, थुलथुली और नेंदुर गांवों की पहाड़ियों पर कंपनी नंबर 6 के माओवादियों की मौजूदगी के आधार पर ऑपरेशन चलाया गया। उन्होंने कहा, यह देखते हुए कि यह कंपनी नंबर 6 का मुख्य क्षेत्र है, माओवादियों का ग्रामीणों की बैठकें आयोजित करना कोई असामान्य बात नहीं है। वे अक्सर अपना प्रचार प्रसार करने और ग्रामीणों का ब्रेनवॉश करने के लिए ऐसी बैठकें करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य दुर्गम जंगलों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले लोगों की रक्षा करना और उन्हें माओवादियों के चंगुल से बाहर निकालना है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में कांग्रेस को झटका, धनेंद्र साहू ने कहा- अप्रत्याशित है, सोचा भी नहीं था

रायपुर। हरियाणा विधानसभा के लिए जारी मतगणना के बीच रुझानों में पिछड़ने से कांग्रेस पार्टी को झटका लगा है। इसकी बानगी वरिष्ठ कांग्रेस नेता धनेंद्र साहू के बयान में नजर आती है, जिन्होंने इसे अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि ऐसा सोचा भी नहीं था। हरियाणा के रुझानों पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने कहा कि सोचा नहीं था कि ऐसे चुनाव परिणाम आएंगे। उम्मीद कर रहे थे कि दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन रही है, लेकिन हरियाणा का परिणाम अप्रत्याशित है। जैसा रुझान रहा एमपी- छत्तीसगढ़ और अब हरियाणा के विधानसभा चुनाव में, सभी जगह एग्जिट पोल में फेल हो रहे हैं। किसी भी एजेंसी के सर्वे में कांग्रेस के पिछड़ने की बात नहीं थी। इसे लेकर प्रश्न चिन्ह उठता है। उन्होंने कहा कि राज्य में किसान, महिला, युवा- सभी सरकार से नाराज़ थे। इन सभी को देखते हुए हमारी पार्टी ने मैनिफ़ेस्टों तैयार किया गया था, इसका फ़ायदा मिलता। जनादेश को स्वीकार करेंगे।

राज्यपाल डेका से विधायक मोतीलाल साहू ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के विधायक श्री मोतीलाल साहू ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को माना कैम्प दुर्गा उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर श्री श्यामा चक्रवर्ती, श्री शुभंकर रे, श्री भीमा विश्वास, श्री विश्वनाथ पाल तथा श्री मनिटोल विश्वास उपस्थित थे।

सिंधी काउंसिल के स्टेट चेयरमैन बने संजय रहेजा

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने रहेजा ग्रुप के संजय रहेजा को काउंसिल के प्रदेश चेयरमैन पद पर नियुक्त किया है। संजय रहेजा क्रेडाई के अध्यक्ष भी हैं और सामाजिक कार्यों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी है। संजय रहेजा के चेयरमैन बनने पर प्रदेश महामंत्री सुनील कुकरेजा, प्रदेश कोषाध्यक्ष विक्की लोहाना, प्रणीत सुंदरानी, निलेश तारवानी, दीपक रामनानी, हेमंत मेघानी ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक करेंगे निर्माणाधीन कार्यों का परीक्षण

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन कार्यों का गुणवत्ता परीक्षण करने राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों का माह अक्टूबर में दौरा कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी नई दिल्ली के निरीक्षण कार्यक्रम के तहत श्री जेठा राम जीनगर सुकमा और बीजापुर जिले में योजना के तहत निर्माणाधीन कार्यों का परीक्षण करेंगे।

बलौदाबाजार भाटापारा पुलिस को बड़ी कामयाबी, गिरोह के 35 ठग हुए गिरफ्तार

बलौदाबाजार भाटापारा। बलौदाबाजार भाटापारा जिला पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जिले में लगातार ठगी का मामले सामने आ रहे थे। पुलिस ने एक गिरोह को पकड़ लिया है। पुलिस ने ठग गिरोह में लगभग 35 लोगों को गिरफ्तार किया है। खरसिया से सभी ठग की गिरफ्तारी हुई है। बलौदाबाजार जिला पुलिस टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

राजस्व मंत्री ने तिल्दा-नेवरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज तिल्दा-नेवरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। मंत्री श्री वर्मा ने स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों से मिलकर उनका हाल पूछा और उनके शीघ्र ही स्वस्थ होने की कामना की। उन्होनें अस्पताल में मिल रही सुविधाओं का जायजा भी लिया। श्री वर्मा ने इस दौरान अस्पताल के स्टाफ और चिकित्सकों के कार्य और व्यवहार के बारे में भी मरीजों से जानकारी ली । राजस्व मंत्री ने ओपीडी और वार्ड का निरीक्षण करने के साथ ही ओपीडी पंजीयन काउंटर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होनें चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए मरीजों की बेहतर देखभाल और समुचित उपचार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्य में परिसीमन और आरक्षण की कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित करें: निर्वाचन आयुक्त

स्थानीय निकायों के आम निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में अहम बैठक आयोजित की गई। यह बैठक राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें सामान्य प्रशासन विभाग और नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव एवं संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। इस समीक्षा बैठक का उद्देश्य आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को सुचारू और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए तैयारियों का मूल्यांकन करना था।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने परिसीमन और आरक्षण की कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रियाएं चुनाव के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है, जिससे समय पर और निष्पक्ष चुनाव कराया जा सके। बैठक में नगरपालिकाओं में स्थानों के आरक्षण में वर्तमान स्थिति के साथ नगरीय निकायों (न.पा.नि. राजनांदगांव, न.पा.परि. कवर्धा, कुम्हारी, बेमेतरा, तखतपुर) में न्यायालय के स्थगन होने के कारण परिसीमन की जानकारी अप्राप्त होने के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 तथा भविष्य में होने वाले उप निर्वाचन के लिए अधिग्रहित किए जाने वाले वाहनों हेतु किराये का दर के निर्धारण, निर्वाचन में नियुक्त प्रेक्षकों के मानदेय, आगामी आम एवं उप निर्वाचन 2024-25 के लिए निर्वाचन संचालन हेतु नियोजित शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिये जाने वाले मानदेय दरे तथा वाहन किराये पर लेने हेतु वित्त विभाग की पूर्वानुमति से संबंधित भेजे गये प्रस्तावों जैसे अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में चुनाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई, जिसमें राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने विशेष जोर देते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके।

आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जाएगी और जरूरत पडने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने मतदाता जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग करने पर जोर दिया। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अन्बलगन पी., नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव श्री बसवराजू एस. आयोग के सचिव डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे, उप सचिव डॉ. नेहा कपूर एवं श्री आलोक श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

पीएम आवास योजना में लगा 'सरपंच टैक्स', ऐसे हो रही अवैध वसूली

बिलासपुर। मुख्यमंत्री की फ्लेक्सी योजना पीएम आवास योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। मस्तूरी विधानसभा के ग्राम पंचायत सोन में 5000 रुपये की अवैध वसूली का आरोप सरपंच श्यामता कैवर्त और उनके प्रतिनिधि अशोक कैवर्त पर लगा है। आरोप है कि राशि न देने पर आवास निरस्त करने की धमकी दी जा रही है, ग्रामीणों ने कलेक्टर से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

जिले के मस्तूरी क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोन के ग्रामीणों ने कलेक्टर से शिकायत की है कि वे लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते है, शासन के योजनांतर्गत उन लोगों के नाम पर प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया है। उक्त प्रधानमंत्री आवास

के लिए स्थान जांच आदि होने उपरांत ग्राम पंचायत सोन के सरपंच श्यामता कैवर्त प्रतिनिधि अशोक कैवर्त के द्वारा 5000 की मांग की गई, तो हितग्राहियों के द्वारा राशि नहीं देने की बात की तो किस्त की राशि 40,000 आने पर हितग्राहियों से अंगूठा और हस्ताक्षर करवाकर उक्त राशि में से 5000 काटकर शेष 35,000 प्रदान किया जा रहा है। जिससे शासन के योजना के अंतर्गत सरपंच के द्वारा वसूली का खेल खेला जा रहा है।

कई हितग्राही मकान निर्माण होने के कारण चुप बैठे है, तो कई लोगों ने इसका विरोध किया, तो उन लोगों से कहा गया कि यदि प्रधानमंत्री आवासा चाहिए तो 5000 देना पड़ेगा नहीं तो स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास को निरस्त करा दी जाएगी। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्षता से जांच कर दोषी सरपंच प्रतिपिधि अशोक कैवर्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग कलेक्टर से की है।

स्वास्थ्य मंत्री के अथक प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही है लगातार वृद्धि

- **एमसीबी जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मिल रही है सीजेरियन प्रसव की सुविधा**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के सामान्य प्रसव की सुविधाएं उपलब्ध थी, किंतु उच्च जोखिमवाली गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन हेतु अक्सर दूसरे अस्पतालों का रूख करना पड़ता था। वर्तमान में स्थानीय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से अब जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्रो में गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन की सुविधा भी मिल रही है। सीजेरियन की सुविधा

उपलब्ध होने से अब गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में सिजेरियन सेक्शन का लाभ मिलने कारण जिले के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों जैसे भरतपुर की गर्भवती महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का प्रयास है कि जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। श्री जायसवाल के लगातार प्रयास से ही किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को अब डायलिसिस के लिए भटकना नहीं पड़ता है। मरीजों की इस कठिनाइ को देखते हुए नवीन जिला एम.सी.बी के अंतर्गत हाल ही में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - मनेन्द्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना की गई है। इस सेंटर की स्थापना से स्थानीय क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिली है। मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी दोनों बीमारी से ग्रसित किडनी मरीजों का डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए क्षेत्र के लोगों ने श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट किया है। श्री श्याम बिहारी जायसवाल एमसीबी जिले के साथ ही पूरे प्रदेश मे स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि भी हो रही है, जिसका सीधा लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है।

1 करोड़ का गांजा जब्त, जीपीएम पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गौरेला-पेंड्रा-मारवाही। गांजा तस्करों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज जीपीएम पुलिस ने 41 लाख के गांजे के साथ 2 अंतराज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 1 महीने के भीतर करीब 485 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए है।

बता दें कि सीएम साय ने रायपुर में एसपी-कलेक्टर्स की कांफ्रेंस ली थी। सीएम ने मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई करने और तस्करों के फॉरवर्ड बैकवर्ड लिंक ट्रेस करने पर जोर दिया था। इसी कड़ी में आज आईपीएस भावना गुप्ता ने पुन: अंतरराज्यीय गांजा तस्करी पर कार्रवाई की है। एसपी ने साइबर सेल जीपीएम और पेंड्रा थाने की संयुक्त टीम को पतगंवा के पास तैनात किया था। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक्सएल 6 वाहन में गांजा तस्करी कर रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से करीब 2 क्विंटल गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 41 लाख रूपये बताई जा रही है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा ओडिशा के बलांगीर क्षेत्र से मध्यप्रदेश के राजेंद्रग्राम की ओर ले जा रहे थे।

जीपीएम पुलिस ने एक महीने के भीतर तीन मामलों में लगभग 485 किलो गांजा जब्त

किया है, जिसका बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ बाते जा रहा है। वहीं पांच चारपहिया वाहन जिनकी बाजार कीमत लगभग 60 लाख है बरामद किया है। इसके अलावा आरोपियों के फाइनेंशियल ट्रेल को ट्रेस करते हुए दो दर्जन खाते होल्ड करवाएं गए हैं। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में मध्यप्रदेश के 7 और छत्तीसगढ़ के 4 कुल 11 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है। सभी मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी और 29 के तहत कार्रवाई की गई है।

अंतरराज्यीय तस्करों पर कार्रवाई में डीएसपी साइबर दीपक मिश्रा, डीएसपी निकिता तिवारी मिश्रा के सुपरविजन में थाना प्रभारी पेंड्रा निरीक्षक नवीन बोरकर, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश ध्रुव, उप निरीक्षक रणछोड़ सेंगर एएसआई गोपाल खांडेकर, प्रधान आरक्षक चौपाल कश्यप, संतोष बंजारे आरक्षक राजेश शर्मा, दुष्यंत मसराम, महेंद्र परस्ते, सुरेंद्र विश्वकर्मा, इंद्रपाल आर्मो, हेमसिंह ध्रुव आदि की भूमिका रही।

चंगोराभांठा मंदिर की जमीन को कूटरचना कर भू-माफिया को बेचने का मामला आया सामने

राजस्व मंत्री वर्मा ने सात दिनों में कलेक्टर को जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

रायपुर। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने राजधानी रायपुर की चंगोराभांठा स्थित मंदिर को दान में दी गई भूमि को कूटरचना कर भू-माफिया को बेचने के मामले में एक सप्ताह के भीतर जांच कर कलेक्टर रायपुर को प्रविवेदन प्रस्तुत करने तथा नियमानुसार दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

राजस्व मंत्री के समक्ष डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड क्र. 68 के चंगोराभांठा महादेव तालाब पर स्थित सीरवेश्वर नाथ महादेव मंदिर व उसकी 4.40 एकड़ जमीन भूमाफिया को नियम विरूद्ध बेचने और अवैध प्लाटिंग से संबंधित प्रकरण पर आवश्यक कार्रवाई के लिए क्षेत्र के निवासियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है। यह भूमि पटवारी हल्का नं. 105 खसरा नं. 84 तहसील जिला-रायपुर में स्थित है। यह भूमि रिंगरोड पर

श्याम पेट्रोल पंप के पीछे व अभिनंदन पैलेस के बाजू की है।

गौरतलब है कि महादेव तालाब के किनारे जमींदार गोविंदधर ने महादेव तालाब के किनारे 11 एकड़ जमीन (पांच एकड़ कृषि के लिए, साढे चार एकड़ तालाब के लिए तथा डेढ एकड़ तालाब के चारों ओर आने जाने का मार्ग) ग्राम समाज को मंदिर के लिए दान में दी गई थी। भू-स्वामी गोविंदधर की वर्ष 1976 में मौत के बाद मंदिर के सेवक जयलालपुरी वल्द नरोत्तम पुरी ने कूटरचना कर स्वयं को मंदिर तथा मंदिर से लगी जमीन का सर्वराकार बना लिया।

जयलाल पुरी ने यह जमीन अवैध रूप से 1989 में भूमाफिया संजय अग्रवाल को बेच दी जबकि ट्रस्ट के प्रबंधक तत्कालीन कलेक्टर थे। कूटरचना कर यह बताने का प्रयास किया गया कि, वास्तविक भूस्वामी गोविंदधर निहंग साधु था तथा उसके कोई संतान नहीं हैं। जबकि रायपुर ब्राह्मणपारा निवासी गोविंदधर के पुत्र बलरामधर तथा उनके पुत्र प्रणव कुमार दीवान उनके वारिस हैं। भूमि को भू-माफिया को बेचने की जानकारी होने पर ग्रामीणों ने न्यायालय में वाद दायर किया था। स्थानीय न्यायालय, सेशन न्यायालय तथा उच्च न्यायालय जबलपुर से केस जीतने के बाद भी मंदिर की भूमि भू-माफिया के कब्जे में है।

उक्त भूमि पर भू-माफिया अवैध रूप से प्लाटिंग कर बेचने की शिकायत 07 जून 2022 को कलेक्टर रायपुर व नगर निगम आयुक्त से की गई थी। क्षेत्र के निवासियों ने जनहित में उक्त भूमि की अवैध प्लाटिंग पर रोक, रजिस्ट्री पर रोक तथा कूटरचना कर नामांतरण करवाने वालों पर अपराध दर्ज करने एवं 4.40 एकड़ भूमि व तालाब पर आने-जाने के बंधक रास्ते को मुक्त करवाने के आवेदन पर नगर निगम ने उक्त अवैध प्लाटिंग पर 16 जून 2022 को बुलडोजर चलाया था।

राजधानी में झमाझम बारिश से मौसम हुआ कूल कूल

रायपुर। करीब एक घंटे की झमाझम बारिश से रायपुरवासियों को राहत मिली है। तेज बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। लोगों को एक बार फिर छाते और रेनकोट निकालने पड़े हैं। अचानक हुई बारिश का अंदाजा लोग भी नहीं लगा सके। दुर्गा पूजा के चलते सड़कों पर आज ज्यादा भीड़ भाड़ थी। बारिश होते ही जिसे जहां मौका मिला वहां पर बारिश से बचने के लिए छिप गया। घंटे भर हुई बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया।

झमाझम बारिश से लोग खुश हैं, हालांकि बदलते मौसम से स्वास्थ्य खराब होने की भी संभावना बढ़ गई है। पिछले 8-10 दिनों से बहुत गर्मी और उमस थी। आज बारिश से राहत मिली है। लगातार बारिश होगी तो मौसम और ठंडा होगा। कम बारिश होने पर तो गर्मी और उमस और बढ़ जाएगी। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि 12

अक्टूबर तक मॉनसून पूरी तरह से छत्तीसगढ़ से विदा हो जाएगा। इस साल छत्तीसगढ़ पर मॉनसून पूरी तरह से मेहरबान रहा है। कुछ जिलों को छोड़ दें तो बाकी सभी जिलों में बेहतर बारिश दर्ज की गई है।

स्थानीय निवासी सोनिया ने कहा मौसम ठंडा हो गया है। बहुत अच्छा लग रहा है। इसके बहुत सारे साइड इफेक्ट्स भी हैं।बदलते मौसम की वजह से लोगों की तबीयत भी खराब हो रही है। वायरल फीवर के केस भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बारिश की वजह से लोगों को पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से जरुर राहत मिली है।

मौसम वैज्ञानिक गायत्रीवाणी कांचीभोटला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से नमी का आगमन छत्तीसगढ़ में हो रहा है, जिसके कारण छत्तीसगढ़ के मौसम में आने वाले दो दिनों तक बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग इस हुए बारिश के आंकड़ों से काफी खुश है। जिले के ज्यादातर डैम पानी से भर चुके हैं। किसानों के खेतों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी बांधों में जमा हो चुका है।

मौसम वैज्ञानिक गायत्रीवाणी कांचीभोटला ने कहा 8 और 9 अक्टूबर को उत्तर, दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों के एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ से मानसून की वापसी की सामान्य तिथि 12 अक्टूबर है। मौसम वैज्ञानिक गायत्रीवाणी कांचीभोटला ने बताया कि एक सप्ताह के दौरान छत्तीसगढ़ से दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी की संभावना बन रही है।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग, सामान्य वनमण्डल दुर्ग

नीलाम की सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि दुर्ग वनमण्डल के अधिनस्थ शासकीय उपभोक्ता डिपो पुलगांव, अण्डा, पाटन, ऊतई, वन परिसर कुम्हारी, बेमेतरा, एवं अन्य डिपों में संग्रहित ईमारती, जलाऊ, काष्ठ का दिनांक 10/10/2024 को नीलाम व्दारा निर्वतन किया जायेगा। नीलाम में रखे जाने वाले अनुमानित मात्रा :-

नीलाम तिथि - 10/10/2024
स्थान - पुलगांव डिपो
समय - प्रात: 9:00 बजे

नया ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्ठा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा घ.मी.	चिरान घ.मी.	बल्ली/डें. नग	जलाऊ चट्ठा
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा/बल्ली, डेंगरी	200.320	-	3521/3184	-
-"-		आम लट्ठा	1.166	-	-	-
-"-	अण्डा	मिश्रित, नीलगिरी लट्ठा/मि.ज.	2.370	-	-	6
-"-	उतई	मिश्रित लट्ठा/जलाऊ	10.125	-	-	20
साजा	बेरला	सागौन लट्ठा/चिरान	0.076	2.161	-	-
		योग :-	**214.057**	**2.161**	**3521/3184**	**26**

अविक्रित काष्ठ/जलाऊ चट्ठा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा (घ.मी.)	चिरान घ.मी.	बल्ली/डेंगरी नग	जलाऊ च.
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा	139.529	-	679/646	-
		मिश्रित /मुण्डी लट्ठा	9.800	-	-	-
-"-	पाटन	सागौन लट्ठा/साल, कहुआ चिरान	3.226	2.933	163	-
	उतई	नीलगिरी लट्ठा	0.088	-	-	-
धमधा	व.प. कुम्हारी	सागौन लट्ठा, डेंगरी/कहुआ अन्य चिरान/मि.ज.	3.582	1.256	22	4
बेमेतरा	बेमेतरा	सागौन लट्ठा	16.439	-	-	-
		योग :-	**172.664**	**4.189**	**679/831**	**4**

टीप:- (1) सफल क्रेताओं को अपना पूर्ण पता एवं फोन नंबर/मोबाईल नंबर ई. एम. डी. अधिकारी के पास आवश्यक रूप से अंकित कराना होगा।
(2) ई. एम. डी. हेतु नगद राशि के साथ मल्टी सिटी चेक भी स्वीकृत किये जावेंगे, जो बैंक से क्लीयर होने के पश्चात् ही मान्य होंगे ।
(3) वर्ष 2023 एवं 2024 का व्यापारी पंजीयन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
(4) पैन कार्ड एवं जी.एस.टी. (GST) पंजीयन, टीन नं. की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

वनमण्डलाधिकारी
दुर्ग वनमण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

जी-242503002/6

जयशंकर के पाकिस्तान दौरे से क्या कुछ बदलेगा?

हर्ष सिन्हा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अगले सप्ताह प्रस्तावित पाकिस्तान यात्रा लगातार सुर्खियों में है। यूं तो पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और बाद में खुद जयशंकर यह कह चुके हैं कि यह दौरा पूरी तरह से शांघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पर केंद्रित है और इसे भारत-पाक संबंधों में किसी बड़े बद?लाव या पहल के रूप में देखना उचित नहीं होगा। इसके बावजूद देश और उसके बाहर भी इस यात्रा और उससे जुड़ी संभावनाओं को लेकर उम्मीदों, अनुमानों और अटकलों का बाजार गर्म है। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में दिलचस्पी रखने वाले लोग बखूबी जानते हैं कि कूटनीति ज्यादातर मामलों में वहीं सक्रिय होती है, जहां वह दिखती नहीं। खंडन, अस्वीकार या तवज्जो न देना इस विलक्षण कवायद के हिस्से हैं। विल ड?यूरांट ने कहा भी है कि कूटनीति की आधी कला तो यही है कि बोलते समय भी कुछ न बोला जाए। इतिहास ऐसे कई उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिसमें संवाद और कूटनीति उसी समय शुरू हो रही थी, जिस समय संघर्ष और तनाव शिखर बिंदु पर था। 1993 में इस्राइल और फलस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) के बीच पहला प्रत्यक्ष समझौता संघर्ष की छाया के बीच आकार ले रहा था। जयशंकर के दौरे की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि यह मामला पाकिस्तान से जुड़ा है, जिससे हमारे संबंधों में गतिरोध लंबे अरसे से बना हुआ है। राजनयिकों की वापसी, क्रिकेट रिश्तों में स्थगन, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुखर तल्खियों और खासकर 2019 में कश्मीर के विशेष दर्जे की वापसी के बाद पाकिस्तान की तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद से दोनों देशों के रिश्ते न्यूनतम स्तर पर हैं। ऐसे में किसी भारतीय मंत्री की यात्रा पर चर्चा स्वाभाविक ही है, खासकर तब जबकि वह मंत्री कोई ऐसा व्यक्ति हो जो कम से कम तीन दशकों से भारत के लिए कूटनीतिक दृष्टि से अहम तकरीबन सभी मौकों पर खास भूमिकाओं में मौजूद रहा हो। इसमें दो राय नहीं कि यात्रा इसलिए संभव हो पा रही है क्योंकि मूलत: मामला एससीओ का है। बीते कुछ वर्षों में भारतीय कूटनीतिक फ्रेमवर्क में आर्थिक सहयोग संगठनों को देश से ज्यादा तवज्जो दी गई है क्योंकि इसके बहुआयामी लाभ हैं। जी-20, ब्रिक्स और एससीओ भारतीय राजनय के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एससीओ और भी अहम है क्योंकि एक तो यह सेंट्रल एशिया से भारत की कनेक्टिविटी सुगम बना सकता है और दूसरे यहां पड़ोसी पाकिस्तान, चिंताजनक चीन और रिश्तों के लिहाज से अहम रूस की मौजूदगी है। यह सही है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने तक संवाद न करने की भारतीय नीति से पाकिस्तान की साख को गहरी चोट लगी है। अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य व बदहाल अर्थव्यवस्था के चलते वह मुश्किलों का सामना भी कर रहा है। इसके उलट तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, राजनीतिक स्थिरता और नवाचारी राजनय के चलते भारत अब एक बड़े विकासमान और आत्मविश्वास से भरे देश के रूप में मौजूद है, जो अपने हितों और अपनी शर्तों पर संवाद कर सकता है। भारत ने एससीओ के निमंत्रण पर भी अपनी इसी सोच का परिचय दिया है। राष्ट्राध्यक्षों की बैठक होने के बावजूद प्रधानमंत्री इसमें नहीं जा रहे हैं। वह अपनी जगह विदेश मंत्री को भेज रहे हैं ताकि एससीओ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रमाणित हो। हालांकि, इस बात को भी सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है कि संभावनाओं का आकाश एससीओ से आगे तक भी फैला हो सकता है। इस संभावना के पक्ष में भी कई तर्क दिए जा सकते हैं। मसलन- पाकिस्तान के निमंत्रण पर भारत के पास यह विकल्प भी मौजूद था कि वह इसमें वर्चुअल प्रतिभागिता कर ले या किसी जूनियर मंत्री को भेज दे। लेकिन भारत ने जयशंकर जैसे महत्वपूर्ण और अनुभवी मंत्री का चयन किया, जिन्होंने तर्कशीलता और शून्य से संभावनाएं पैदा करने की अपनी क्षमता का परिचय कई बार दिया है। उनका यह कहना भी संकेत ही है कि वह सभ्य व्यक्ति हैं, इसलिए वहां सकारात्मक बातें करेंगे। देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान जयशंकर की यात्रा का कितना सार्थक इस्तेमाल कर पाता है।

मोदी-योगी और भागवत के बयानों के मायने

अभिनय आकाश

नरेंद्र मोदी ये बिल्कुल नहीं चाहते हैं कि हिंदू एकता सिर्फ नारों तक ही सीमित रह जाए। सीएम योगी भी नहीं चाहते कि हिंदुओं के बंटने का कोई फायदा उठाए। इसके साथ ही संघ प्रमुख मोहन भागवत भी इसी लाइन पर अपने वक्तव्य दे चुके हैं।

बंटेंगे तो कटेंगे, हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे, हिंदू समाज को एकजुट होना होगा...उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रधानमंत्री मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सिलसिलेवार ढंग से हिंदुत्व एकता की बात को उठाया है। लेकिन इन बयानों से देश का कुछ वर्ग नाराज भी हो उठा। आज हिंदू एकता पर कट्टरपंथी भाई जान को आपत्ति जरूर हो रही है। लेकिन ये वही लोग हैं जो आए दिन सार्वजनिक सभाओं में देश के मुसलमान जाग जाओ। देश के मुसलमान एकजुट हो जाओ की अपील करते नजर आते हैं। अभी हालिया ईरान के सुप्रीम लीडर का बयान तो आप सभी को याद होगा। जब वो मुसलमानों को एकजुट होने की अपील करते नजर आते हैं। मुस्लिम देशों को अफगानिस्तान से लेकर यमन तक, ईरान से लेकर गाजा और लेबनान तक अपनी रक्षा के लिए कमर कसनी होगी।इस समय देश की हालात ऐसी हो गई है कि हिंदू एकता केवल नारों में सिमट कर रह गई है। हिंदू एकता के नारे तो लगाए जाते हैं। लेकिन जैसे ही जाति की बात आती है तो अगड़ा-पिछड़ा, ठाकुर, ब्राह्मण, दलित यही सब होने लगता है। हिंदुओं को जातियों के नाम पर बांटने वाली राजनीति पिछले कुछ वक्त से देश में हावी हो चुकी है। ये वो राजनीति है जिसके मुंह में लोकसभा चुनाव के बाद खून लग चुका है। आगे कई राज्यों में कई और चुनाव हैं तो हिंदू एकता को तोड़ने वाली जाति आधारित राजनीति और तेज न हो जाए। इस खतरनाक राजनीति की काट यही है कि बिना देरी के हिंदू एकता की आक्रमक राजनीति हो। यही वजह है कि विधानसभा चुनाव के नतीजे से पहले ही हिंदुत्व के सबसे बड़े चेहरे आक्रमक होकर इस मुद्दे को उठा रहे हैं। खासकर नरेंद्र मोदी ये बिल्कुल नहीं चाहते हैं कि हिंदू एकता सिर्फ नारों तक ही सीमित रह जाए। सीएम योगी भी नहीं चाहते कि हिंदुओं के बंटने का कोई फायदा उठाए। इसके साथ ही संघ प्रमुख मोहन भागवत भी इसी लाइन पर अपने वक्तव्य दे चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ठाणे की रैली में कहा कि कांग्रेस जानती है कि उनका वोट बैंक तो एक रहेगा, लेकिन बाकी लोग आसानी से बंट जाएंगे। कांग्रेस और उनके साथियों का एक ही मिशन है, समाज को बांटो और सत्ता पर कब्जा करो। इसलिए हमारी एकता को ही देश की ढाल बनाना है, हमें याद रखना है कि अगर हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे। राजस्थान के बारां में स्वयंसेवक एकात्मकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हम यहां प्राचीन काल से रह रहे हैं, भले ही हिंदू शब्द बाद में आया. हिंदू सभी को गले लगाते हैं. वे निरंतर संवाद के माध्यम से सद्भाव में रहते हैं। भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को भाषा, जाति और क्षेत्रीय मतभेदों और विवादों को खत्म करके अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। इससे पहले सीएम योगी भी कह चुके हैं कि राष्ट्र तब सशक्त होगा जब हम एक रहेंगे, नेक रहेंगे। बटेंगे तो कटेंगे।

आप सोच रहे होंगे की अनाचक ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर आरएसएस चीफ भागवत सब हिंदू एकता पर जोर क्यों दे रहे हैं? हिंदुओं को एकजुट होने के लिए क्यों कह रहे हैं? हिंदुओं पर ऐसा कौन सा बड़ा खतरा है? दरअसल, मोहन भागवत इसलिए हिंदू एकता की बात कर रहे हैं क्योंकि ये मानते है कि भारत हिंदू समाज से बना हैय् भारत की सुरक्षा की जिम्मेदारी हिंदुओं पर है। अगर हिंदू भाषा, प्रांत के नाम पर बंट जाएंगे तो देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। सीएम योगी ने हिंदू एकता की बात इसलिए कही क्योंकि हिंदुओं पर बांग्लादेश में अत्याचार होते हुए पूरी दुनिया ने देखा। योगी ये समझाना चाह रहे हैं कि एकजुट होकर ही ऐसे हालात का सामना किया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी का हिंदू एकता की बात करना भी अहम है क्योंकि विपक्ष उन्हें कुर्सी से हटाने के लिए जातियों में बांटने में लगा हुआ है। हिंदू एकता की बात इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ये बंटवारे का काम दूसरे धर्मों के साथ नहीं किया जा रहा है। जबकि वहां भी अलग जातियां हैं।

90 के दशक का दौर जब मंडल की राजनीति के बरक्स बीजेपी ने कमंडल की राजनीति को खड़ा कर दिया था। अब 2024 में कमंडल 2.0 देखने को मिल सकता है। वैसे तो इन बयानों को राजनीति से भी जोर कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटों में भारी गिरावट देखने को मिली। पीएम मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया था। लेकिन वो बहुमत के जादुई आंकड़े तक भी पहुंचने में कामयाब नहीं हो पाई। इसके साथ ही कहा गया कि हिंदू वोर्टर्स का भी बीजेपी को 2014 और 2019 सरीखा साथ नहीं मिला। नतीजतन उसे सहयोगियों की बैसाखी के सहारे सरकार बनानी पड़ी। कहा जा रहै कि बीजेपी हिंदू वोटर्स को फिर से एकजुट करने में जुट गई है। उसी के तहत इस तरह के बयान टॉप लीजरशिप की ओर से देखने को मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि बीजेपी का फोकस उसके कोर हिंदू वोर्टस को वापस एकजुट करने पर टिका है।

देश की आतंरिक राजनीति में पीएम मोदी के सामने इंडिया अलायंस की जाति की राजनीति का चैलेंज है। पूरे चुनाव में राहुल गांधी ने आरक्षण को मुद्दा बनाया। हर चुनावी रैली में संविधान की कॉपी लेकर भाषण दिया। यहां तक की वो सांसद के तौर पर शपथ लेने गए तो उस वक्त भी उनके हाथों में संविधान की कॉपी नजर आई। लोकसभा चुनाव के वक्त विपक्ष ने एक नैरेटिव चलाया था कि बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, और ये बात चुनावी मुद्दा बन गई। यहां तक की बजट बनाने वाले अफसरों की जाति पूछकर उसे चैलेंज कर रहे हैं। मिस इंडिया जैसे कॉम्पिटीशन जीतने वाली कंटेस्टेंट की जाति पूछ रहे हैं। राहुल गांधी हर चीज को जाति से जोड़ रहे हैं। इस तरह की राजनीति के आगे चलकर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अतीत में ऐसे कई उदाहरण है जब भारत में अपने अपने फायदे के लिए आपस में लोग बंटे तब नुकसान उठाना पड़ा। 1980-90 के दौर में जाति की राजनीति हावी थी। उसी वक्त कश्मीरी पंडितों की बेबसी पर किसी का ध्यान नहीं गया। उन्हें अपनी ही जमीन से भगा दिया गया। राम मंदिर का मुद्दा भ कमोबेश इसी की चपेट में वर्षों तक अटका रहा। उत्तर प्रदेश में जाति की राजनीति हावी रही और हिंदू समाज बंटा रहा। मामला वर्षों तक खिंचता रहा। वैश्विक परिदृश्य में देखें तो दुनिया अलग अलग गुटो में बंटी हुई है। अलग अलग देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। भारत इन हालात के बीच अपने हितों को साध रहा और तेजी से विकास कर रहा है। लेकिन ये भारत के दुश्मनों को भा नहीं रहा है। इसलिए पीएम मोदी देश के बहुसंख्यक समाज से एकजुट रहने की अपील कर रहे हैं। अगर बहुसंख्यक है वही टूट गया तो फिर देश के दुश्मनों के इरादे पूरे हो जाएंगे।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्याय:

विगत अध्याय में आधुनिक ग्रन्थों से आरम्भ करके अनादि वेदों तक में पुराणों का वर्णन प्रकट किया गया है। इसे पढ़ कर प्रत्येक बुद्धिमान् इस परिणाम पर पहुंचेगा कि निस्संदेह सभी ग्रन्थों में धारा- प्रवाह से पुराणों का उल्लेख मिलता है और यह भी ठीक है कि इतिहास आदि शब्दों के योग से उक्त प्रमाणों में %पुराण% शब्द का अर्थ ग्रन्थपरक ही उपयुक्त हो सकता है। खेंचातानी से पुराण-विद्या या सृष्टि-प्रक्रिया-प्रतिपादक-मन्त्र-समुदाय, कहना विडम्बना मात्र है। तथापि सर्वसम्मत प्रचीनतर सूत्रों, उपनिषदों, ब्राह्मणों और मन्त्रों में- उत्तरकालवर्ती- वेदव्यास जी के संकलित किये हुये वर्तमान पुराणों का उल्लेख मानना वैसे ही असम्भव सा जान पड़ता है जैसा कि पुत्र के लिये पिता के जन्म समय का दृश्य देखना और उनकी छठी का मीठा भात उड़ाना । अर्थात् कहाँ अनादि वेद और कहाँ द्वापर के अन्त में बनने वाले पुराण ? उपयुक्त आशंका को यथेच्छ प्रवृद्ध किया जा सकता है और वास्तविक तथ्य एवं पथ्य को छुपाने के लिये इसे अनेक विभीषिकामय रङ्गों में भी रंजित किया जा सकता है, परन्तु है यह आशंका सर्वथा निर्मूल !

जब विवेकपूर्वक वैदिक साहित्य का मनन किया जाता है तो अपने आप यह गूढ़ रहस्य प्रकट हो जाता है, तथा जो संदेह और जो आक्षेप सूत्रादि में पुराणों का उल्लेख देखकर साधारणतया प्रतीत होते हैं वे सब एकदम काफूर हो जाते हैं ।

वेदों की परम्परा

वेद अपौरुषेय है, यनादि हैं, अनन्त हैं, सनातन हैं, शाश्वत हैं एवं परम पिता परमात्मा के स्वाभाविक निश्वासोच्छ्वास होने के कारण साक्षात् ब्रह्म हैं- यह आर्यजाति के आबाल-वृद्ध आस्तिक जनों की पुरातन धारणा है। लाख बार प्रलय हो जाये और करोड़ों बार सृष्टि का प्रादुर्भाव हो, परन्तु वेद के नित्यत्व में किञ्चिन्मात्र भी अन्तर नहीं पड़ता, यह भी एक नग्न सत्य है जो कि सभी ऋषियों मुनियों एवं आचार्यों द्वारा अगणित बार घोषित हो चुका है। **(क्रमश:)**

विश्व डाक दिवस : आम जन से जुड़ा है डाक विभाग

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है।

9 अक्तूबर को पूरी दुनिया में विश्व डाक दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है।

विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह हजारों सालों के लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी।

पहले डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया डाक का थैला लेकर आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे।

उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। इसी तरह रजिस्टर्ड पत्र देते वक्त भी प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर करवाये जाते थे।

पश्चिम एशिया में शांति व समृद्धि के लिए ईरान को रोकना जरूरी

राहुल कुमार

सात अक्तूबर, 2023 को इस्राइल और यहूदी लोगों ने नरसंहार के बाद अब तक की सबसे बुरी त्रासदी देखी। एक ही दिन में इस्राइल में करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी गई और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया, जिनमें से 101 लोग अब भी गाजा में बंदी हैं। लेबनान में हिजबुल्ला ने अगले ही दिन उत्तरी इस्राइल पर हमला शुरू कर दिया, जिससे करीब 70,000 इस्राइलियों को अपने घरों को छोड़ना पड़ा। ईरान ने पहले इस वर्ष 13 अप्रैल और फिर एक अक्तूबर को हमले करके लाखों इस्राइलियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर कर दिया है। इस युद्ध के एक वर्ष बाद यह जानना आवश्यक है कि हमास के नेता सात अक्तूबर के हमले से आखिर क्या उम्मीद कर रहे थे, और ईरान के नेता क्या हासिल करना चाहते हैं?

इस्राइली सेना और राजनीतिक प्रतिष्ठान यह समझने में विफल रहे कि हमास किस हद तक धार्मिक युद्ध छेड़ने के लिए उतावला था। युद्ध की शुरुआत में इस्राइली रक्षा बलों के एक वरिष्ठ खुफिया कमांडर ने हमास के नेता याह्या सिनवार का जिक्र करते हुए मुझसे कहा, खुफिया जानकारी तो थी, लेकिन मैंने हमास और सिनवार के गणित के जेहादी पहलू को कमतर आंका था। हम इस चेतावनी पर भी अमल करने में विफल रहे कि हमास ने इस्राइल की घरेलू अस्थिरता को किस हद तक कमजोरी माना, जो इस्राइल के संकल्प और हमले का जवाब देने की क्षमता को बाधित करेगी।

खुफिया जानकारी से पता चला है कि हमास के प्रमुखों का मानना था कि इस्राइली एकजुट होने में सक्षम नहीं होंगे। हमास की योजना के अनुसार, इस्राइल पर हमले के बाद ईरान की शैतानी धुरी के शेष घटक-हमास, हिजबुल्ला, हूती, शिया लड़ाके- एकमात्र यहूदी राज्य को नष्ट करने के अंतिम लक्ष्य के साथ एक क्षेत्रीय युद्ध में शामिल हो जाएंगे। गाजा में कथित तौर पर उजागर हुए हमास के एक गुप्त दस्तावेज ने ऐसे दावे की पुष्टि की-आठ जनवरी, 2023 को हमास नेता द्वारा लिखे गए इस दस्तावेज में उन्होंने दावा किया कि उन्हें ईरान से संदेश मिला कि जब इस्राइल पर आक्रमण के लिए हमास की योजना सक्रिय हो जाएगी, तो धुरी राष्ट्र इस्राइल के खिलाफ हमले में शामिल हो जाएंगे।

जाहिर है, हमास के हमले के पीछे तीन कारण थे-जिहादी कट्टरता, इस्राइल के कमजोर होने का आकलन और ईरान व उसकी शैतानी धुरी के प्रति वफादारी। इन्हीं कारणों से सात अक्तूबर और उसके बाद ईरान द्वारा इस्राइल पर किए गए हमले, इस क्षेत्र और दुनिया के लिए इस्लामी गणराज्य के अडिग इरादों और पश्चिम के प्रति उसके नजरिये के बारे में एक सख्त चेतावनी देते हैं। ईरान का धार्मिक नेतृत्व अपनी कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार के लिए समर्पित है, जो वर्चस्व के साथ अपने विरोधियों का हिंसक दमन करना चाहता है। अन्य देशों को वही गलती नहीं करनी चाहिए, जो इस्राइल ने की और वे अयातुल्ला अली खामनेई के इस घटक को कम न आंकें।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर ने इस्राइल, उसके पड़ोसी देशों और क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने पहले सऊदी अरब और यमन में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ इस्तेमाल की थीं। इसके अलावा, यह लगातार क्षेत्रीय आक्रामकता दिखाता है, और परमाणु क्षमता हासिल करने की होड़ में लगा रहता है।

हमास नेता और अयातुल्ला खामनेई की एक ही महत्वाकांक्षा है-इस्राइल को खत्म करना। लेकिन अयातुल्ला खामनेई के पास रणनीतिक धैर्य अधिक है, जिसके कारण उन्होंने इस्राइल पर पूर्ण हमला करने के लिए सही समय का इंतजार किया। ईरान ने लेबनान, सीरिया, यमन में भी अपना आधार मजबूत करने के लिए ऐसा ही किया, और वर्तमान में अफ्रीका के साहेल क्षेत्र की अस्थिरता का फायदा उठाकर अपनी पहुंच का विस्तार कर रहा है। सात अक्तूबर के बाद की वास्तविकता में, इस्राइल को और दुनिया को भी ईरानी शासन द्वारा इस्राइल के अस्तित्व और क्षेत्र के भविष्य के लिए उत्पन्न खतरे के प्रति सक्रिय और दृढ़ निश्चयी होना चाहिए। लाल सागर में नौवहन की स्वतंत्रता का गला घोंटने और वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाने में ईरान की भूमिका या यूक्रेन में रूस को तकनीकी और सैन्य सहायता देने की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। ईरानी शासन और उसकी धुरी को एक मजबूत और एकजुट पश्चिम एशिया का सामना करना होगा, जिसका नेतृत्व और समर्थन अमेरिका द्वारा किया जाएगा, जो ईरान को रोकने की पहल के लिए तैयार है।

अब क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने और ईरान का सामना करने के लिए व्यापक प्रयास करने का समय है। सैन्य मोर्चे पर सरकारों को ईरानी आक्रामकता के साथ मजबूती और सक्रियता से निपटना होगा तथा व्यवस्थित रूप से उसकी प्रॉक्सी क्षमताओं को कम करना होगा। क्षेत्रीय मोर्चे पर इस्राइल को पश्चिम एशियाई वायु रक्षा तंत्र और क्षेत्रीय संरचना को मजबूत करना होगा। आर्थिक मोर्चे पर राष्ट्रों को प्रतिबंधों को मजबूत करके, प्रमुख ईरानी उद्योगों को लक्षित करके तथा विदेश में उसकी परिसंपत्तियों पर कब्जा करके आतंकवाद की फंडिंग को बंद करना होगा। कानूनी मोर्चे पर जिन सरकारों ने अभी तक ऐसा नहीं किया है, उन्हें इस्लामिक गणराज्य और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स समेत उसकी शाखाओं को अपनी आतंकवादी सूची में डालना चाहिए। राजनीतिक मोर्चे पर उन्हें ईरानी विपक्ष को मजबूत करने के साथ विश्व मंच पर ईरान को अलग-थलग करना चाहिए। इस तरह के संगठित अभियान के लिए समय और संसाधनों तथा गंभीर, स्थायी, एकजुट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। यूक्रेन और ताइवान के साथ-साथ इस्राइल भी शैतानी धुरी के खतरे में है।

सात अक्तूबर को इस्राइल ने सबसे दर्दनाक त्रासदी का अनुभव किया। इस्राइली रक्षा मंत्री के रूप में अपने अनुभव के नाते मेरा मानना कि इस्राइल पश्चिम एशिया में सबसे मजबूत राष्ट्र है, जो देश के भविष्य और अपने नागरिकों के लिए न्यायपूर्ण युद्ध लड़ रहा है, और इसीलिए वह विजयी होगा। ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का समय आ गया है। यह न केवल इस्राइल के लिए जरूरी है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए रणनीतिक अनिवार्यता और पश्चिम एशिया में शांति व समृद्धि के लिए भी जरूरी है।

आज का इतिहास

1914 एंटवर्प में प्रथम विश्व युद्ध के बेल्जियम के सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे जर्मन सेना ने शहर पर कब्जा कर लिया।
1919 मेजर लीग बेसबॉल में, सिनसिनाटी रेड्स ने शिकागो व्हाइट सोक्स के ऊपर वर्ल्डसरीज, तीन से पांच गेम जीते, जिनके खिलाड़ी बाद में जानबूझकर हार गए।
1930 अमेरिका में पहली महिला पायलट लॉरा इंगल्स अकेले अंतरमहाद्वीपीय उड़ान को पूरा करके कैलिफोर्निया के ग्लेनडेल में उतरी।
1946 वर्जीनिया के पीट्सबर्ग में पहले इलेक्ट्रिक कंबल की बिक्री हुई।
1953 ब्रिटिश सरकार ने गुयाना संविधान को निलंबित कर दिया।
1963 उत्तरी इटली के वाजोंटडैम से एक भूस्खलन ने बड़ी मात्रा में पानी को विस्थापित कर दिया, जिससे लहरें और बाढ़ें आईं, जिससे दूर-दूर के गाँव बह गए और लगभग 2,000 लोग मारे गए।
1970 जनरल लोन नोल और प्रिंसिसोवथ सिरिक मटक की अध्यक्षता वाले खमेर गणराज्य की कंबोडिया में घोषणा की गई थी।
1983 कई महीनों से रोजगार की दर बढ़ने के साथ, कई उम्मीद कर रहे हैं कि पिछले महीने के आंकड़े 9.3% पर एक मोड़ हैं। उच्चतम राष्ट्रीय दर दिसंबर में 10.8% दर्ज की गई थी। यह 42 वर्षों में सबसे अधिक रहा है।
1983 दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति चुन डू-ह्वान बर्मा के रंगून में एक हत्याकांड में बच गए।
1986 द फैंटम ऑफ़ द ओपेरा, म्यूज़िक द्वारा एंड्रयू लॉयड वेबरक्रिकेट द्वारा इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाला ब्रॉडवे शो, लंदन के वेस्ट एंड में खोला गया।
1998 पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने इस्लामी शरीयत कानून को देश के सर्वाच्च कानून के रूप में अनुमोदित किया।
2004 अफगानिस्तान ने अपना पहला लोकतांत्रिक चुनाव देश के पंजीकृत मतदाताओं के वोटिंग के 75 प्रतिशत अनुमान के साथ किया।
2005 यूरोपीय उपग्रह क्रायोसेट का प्रक्षेपण विफल हुआ।
2005 साथ में, एंग्लिकन और कैथोलिक नेताओं ने इच्छामृत्यु के बारे में अपनी चिंताओं को सामने रखा है क्योंकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स विधायिका के लिए तर्क तैयार करता है।
2006 उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर आईसीटी का पहला परमाणु उपकरण परीक्षण किया।

वंशवाद की गिरफ्त में हरियाणा की राजनीति

राज कुमार सिंह

भारतीय राजनीति में वंशवाद की बहस नई नहीं है। हर चुनाव में परिवारवाद का मुद्दा उठता है, पर टिकता नहीं। शायद इसलिए कि उससे परहेज तो किसी को नहीं। तीन लालों की राजनीति के लिए हरियाणा देश भर में चर्चित रहा। बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल ने दशकों तक हरियाणा की राजनीति पर राज किया। तीनों लाल जीवनकाल में ही अपने लालों को भी राजनीति में स्थापित कर गए। अब उन लालों की अगली पीढ़ी भी राजनीति में आ चुकी है। चर्चा भले अक्सर 3 लालों और उनके परिवारवाद की होती रही हो, पर चंद अपवादों को छोड़ दें तो हरियाणा की पूरी राजनीति ही वंशवाद की गिरफ्त में है।

अब जबकि हरियाणा की 15वीं विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं तो ऐसे उम्मीदवार बड़ी संख्या में हैं, परिवारवाद की पूंछ पकड़ कर ही राजनीति कर रहे हैं। यह और भी आश्चर्यजनक है कि परिवारवाद से पोषित राजनीति अब परिवार तोड़ भी रही है। कभी कहा जाता था कि एक ही परिवार के सदस्य अलग-अलग दल में इसलिए रहते हैं कि सत्ता कभी परिवार से बाहर न जाने पाए, पर वह रणनीति भी अब रार में बदलती साफ नजर आती है।

संख्या के लिहाज से चुनाव मैदान में सबसे ज्यादा सदस्य चौधरी देवीलाल के परिवार के हैं। देवीलाल परिवार 2 दल चला रहा है। एक, मूल पार्टी इंडियन नैशनल लोकदल यानी इनैलो, जिसके सर्वेसर्वा देवीलाल के राजनीतिक उत्तराधिकारी ओमप्रकाश चौटाला और उनके छोटे बेटे अभय सिंह चौटाला हैं। दूसरा, परिवार में अलगाव के बाद बनी जननायक जनता पार्टी यानि जजपा, जिसके सर्वेसर्वा ओमप्रकाश चौटाला के बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला और उनके दोनों बेटे दुष्यंत एवं दिग्विजय हैं।

जजपा साढ़े 4 साल हरियाणा में भाजपा के साथ सरकार में जूनियर पार्टनर रही और दुष्यंत डिप्टी सी.एम. देवीलाल के ही एक बेटे रणजीत सिंह चौटाला 2019 में रानिया से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। उन्हें भाजपा ने न सिर्फ मंत्री बनाया, बल्कि इसी साल लोकसभा चुनाव में हिसार से पार्टी टिकट भी दिया, पर हार गए। अब जब भाजपा ने रानिया से विधानसभा टिकट लायक नहीं समझा, तो रणजीत फिर निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं। दिलचस्प यह कि चाचा रणजीत के मुकाबले अभय चौटाला ने अपने बेटे अर्जुन को चुनाव मैदान में उतार दिया है।

मंडी डबवाली से भाजपा टिकट न मिलने पर अपने एक और चाचा जगदीश के बेटे आदित्य को अभय ने इनैलो उम्मीदवार बना

दिया, लेकिन रणजीत के मामले में वैसी उदारता नहीं दिखाई। शायद इसलिए कि रणजीत के रिश्ते दुष्यंत से ज्यादा अच्छे रहे हैं। मंडी डबवाली से जजपा ने दुष्यंत के छोटे भाई दिग्विजय को मैदान में उतार कर चुनाव को राजनीति के साथ-साथ पारिवारिक मुकाबला भी बना दिया है। अभय के एक और चचेरे भाई रवि की पत्नी सुनैना चौटाला फतेहाबाद से इनैलो उम्मीदवार हैं।

दुष्यंत दूसरी बार उचाना से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उनका मुकाबला आई.ए.एस. की नौकरी छोड़ कर राजनीति में आए बृजेंद्र सिंह से है। बृजेंद्र भी वंशवादी राजनीति से हैं। वह उत्तर भारत के बड़े किसान नेताओं में शुमार रहे चौधरी छोटू राम के वंशज बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं। बीरेंद्र सिंह कहते रहे हैं कि राजीव गांधी की हत्या हो जाने के कारण 1991 में वह हरियाणा का मुख्यमंत्री बनते-बनते रह गए। 2014 में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए बीरेंद्र सिंह केंद्र में मंत्री बने, पत्नी प्रेमलता हरियाणा में विधायक और फिर बेटा बृजेंद्र 2019 में हिसार से सांसद, लेकिन इसी साल लोकसभा चुनाव से पहले पूरा परिवार कांग्रेस में लौट आया। बंसीलाल के दोनों बेटे रणबीर महेंद्रा और सुरेंद्र सिंह राजनीति में रहे। रणबीर राजनीति के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में भी सक्रिय रहे और उसके अध्यक्ष बने।

सुरेंद्र सिंह को बंसीलाल ज्यादा पसंद करते थे। इसलिए अपनी हरियाणा विकास पार्टी बना कर आखिरी बार मुख्यमंत्री बने बंसीलाल जब कांग्रेस में लौटे तो सुरेंद्र सिंह ही उनके राजनीतिक वारिस बने। हैलीकॉप्टर दुर्घटना में सुरेंद्र की मृत्यु के बाद उनकी जगह पत्नी किरण चौधरी ने ली, जो पहले दिल्ली में राजनीति कर रही थीं। किरण हरियाणा में मंत्री बनीं और उनकी बेटी श्रुति लोकसभा सांसद, पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लगातार टकराव के चलते दोनों इसी साल भाजपा में चली गईं।

किरण को राज्यसभा सांसद बनाने के बाद भाजपा ने श्रुति को उनकी विधानसभा सीट तोशाम से टिकट दे दिया है, जहां उनका मुकाबला अपने ही ताऊ रणबीर महेंद्रा के बेटे अनिरुद्ध चौधरी से है, जो कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। सबसे लंबे समय तक लगातार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी राजनीतिक परिवार से हैं। उनके दादा मातूराम समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी रहे तो पिता चौधरी रणबीर सिंह संविधान सभा के सदस्य तथा पंजाब एवं हरियाणा में मंत्री भी रहे।

2005 में भूपेंद्र हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके बेटे दीपेंद्र भी अमरीकी नौकरी छोड़ कर राजनीति में आ गए, जो रोहतक से चौथी बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं। हुड्डा के वर्चस्व को चुनौती देने वाली राज्यसभा सांसद कुमारी सैलजा के पिता दलबीर सिंह कांग्रेस के बड़े दलित नेता रहे। दूसरे हुड्डा विरोधी राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के पिता शमशेर सिंह सुरजेवाला भी कांग्रेस के बड़े नेता रहे। अब रणदीप के बेटे आदित्य भी कैथल से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने कलायत से बेटे विकास सहारण को टिकट दिलवाया है तो रेवाड़ी से दूसरी बार लड़ रहे चिरंजीव राव भी पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव के बेटे हैं। भजनलाल जीवनकाल में ही पुत्रों को राजनीति में स्थापित कर गए थे। 2005 में प्रचंड बहुमत के बावजूद भजनलाल को मुख्यमंत्री न बनाए जाने पर बनाई हरियाणा जनहित कांग्रेस समेत कांग्रेस में लौटे कुलदीप अब अपने परिवार समेत भाजपा में हैं, तो चंद्रमोहन कांग्रेस में ही रहे। हरियाणा में वंशवाद की फेहरिस्त बहुत लंबी बन सकती है। सभी दलों में ऐसे उम्मीदवारों की संख्या शायद कम होगी, जो वंशवादी राजनीति की देन नहीं हैं।

धधकते पश्चिम एशिया में आखिर कब स्थापित होगी शांति?

शोभना जैन

अक्सर सत्ता संघर्ष के खूनी खेल, तख्तापलट और गृह युद्ध जैसी उथल-पुथल वाली स्थितियों को लेकर सुर्खियों में आता रहा पश्चिम एशिया इस बार बेहद खतरनाक खूनी जंग से थर्रा उठा है। वर्ष 2023 में इजराइल और हमास के बीच जो युद्ध शुरू हुआ, वह और भीषणता से फैल रहा है। इस बढ़ते तनाव की वजह से वैश्विक सुरक्षा पर खतरा बढ़ता जा रहा है। चाहे वह इसके खनिज तेल समृद्ध होने की वजह से होने वाला विश्वव्यापी आर्थिक दुष्परिणाम हो या डिप्लोमेटिक चुनौतियां, जिसमें अरब जगत, अमेरिका जैसी महाशक्तियां या इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ईरान में सत्ता बदलाव का निरंकुश फरमान और धमकियां शामिल हैं। और इस सबके साथ एक अहम सवाल कि पश्चिम एशिया की इस भीषण उथल-पुथल में आखिर भारत कहां खड़ा है? भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सभी पक्षों से संयम बरतने को कहा है। निश्चय ही भारत मजबूरन अपने ऐतिहासिक सहयोगी अरब जगत और निकट सहयोगी इजराइल के साथ संबंधों को लेकर दुष्चक्र की सी स्थिति में है। तनाव कम करने के लिए हालांकि विश्वव्यापी बैठकों का दौर जारी है, लेकिन रोज ही दोनों पक्षों के सैनिकों के लहू से जमीन लहूलुहान हो रही है, आसमान मोर्टार, रॉकेटों और तोप के गोलों से दहक रहा है। तनाव है कि रुकने की बजाय दिनोंदिन उग्र होता जा रहा है। इन हालात में इस समय सबसे बड़ी जरूरत इस बात की है कि विश्व की बड़ी महाशक्तियां तनाव कम करने लिए पुरजोर कोशिश करें ताकि समय रहते विश्वव्यापी भीषण तबाही को टाला जा सके। इस उलझी हुई डिप्लोमेटिक स्थिति में भारत की बात करें तो उसने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील करते हुए दोनों देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। भारत इस मुद्दे पर शांतिपूर्ण समझौते के पक्ष में रहा है। हालांकि भारत साल 1988 में फिलिस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था, लेकिन हाल के वर्षों में मध्य-पूर्व के हालात पर भारत किसी एक पक्ष की तरफ स्पष्ट तौर पर झुका नजर नहीं आता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों मे इजराइल उसका निकट सहयोगी बनकर उभरा है। बहरहाल, यह संघर्ष अभी पश्चिम एशिया के कुछ क्षेत्रों तक सीमित तो जरूर है लेकिन जिस तेजी से यह आसपास फैल रहा है, बेहद जरूरी है कि अमेरिका और विश्व की बड़ी ताकतें इस संघर्ष को इस क्षेत्र के साथ ही दुनिया भर में फैलने से रोकने में जिम्मेवारी निभाएं और डिप्लोमेटिक प्रयासों के जरिये अविलंब सुलह का रास्ता निकालें।

धर्म और राजनीति का घालमेल, ईश्वर को राजनीति से दूर रखें

पूनम आई. कौशिश

इन सबकी शुरुआत पवित्र लड्डुओं से हुई है। विवाद का मुद्दा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू का यह वक्तव्य है कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में लड्डु बनाने के लिए घी में पशुओं की चर्बी पाई गई है और इसके बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा हुआ। नायडू ने अपने प्रतिद्वंद्वी तथा पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रैड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने पवित्र प्रसादम को दूषित किया, जिसका करोड़ों हिन्दुओं के दिलों में एक विशेष स्थान है। रैड्डी ने इसका प्रत्युत्तर नायडू पर यह हमला करते हुए किया कि वह राजनीतिक लाभ के लिए झूठ फैला और सामाजिक जिम्मेदारी के बिना कार्य कर रहे हैं। इससे नाराज उच्चतम न्यायालय ने कल तिरुपति में भगवान और भक्तों को दूषित प्रसाद के बारे में याचिकाओं की सुनवाई करते हुए नायडू सरकार को फटकार लगाई और कहा कि मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर हैं। हम अपेक्षा करते हैं कि ईश्वर को राजनीति से अलग रखा जाए और साथ ही धर्म को भी राजनीति से अलग रखा जाए। आपको धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। लैब की रिपोर्ट जुलाई में आ गई थी और आपने वक्तव्य सितंबर में दिया। लैब रिपोर्ट स्पष्ट नहीं है या यह प्रमाणित नहीं करती कि मछली का तेल, पशुओं की चर्बी लड्डु बनाने के लिए घी में मिलाई गई। इससे मूल प्रश्न की ओर ध्यान जाता है कि राजनीति में धर्म का इस्तेमाल हमारे नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए निरंतर करते हैं। हम धर्म का खुल्लम-खुल्ला राजनीतिकरण देख रहे हैं। हमारे नेताओं ने धर्म को भारतीय राजनीति का मुख्य अंग बना दिया है। इसलिए प्रतिस्पर्धी लोकतंत्र के वातावरण में विकास पीछे छूट जाता है।

आज राजनीति ध्रुवीकरण और तुष्टीकरण तक सीमित हो गई है, जिसके चलते न केवल घृणा फैलाई जा रही है अपितु सांप्रदायिक मतभेद भी बढ़ रहे हैं। विभिन्न धर्मों को समान आदर देने की कोई इच्छा नहीं दिखाई देती। इस बात की किसी को परवाह नहीं कि यह विनाशकारी हो सकता है, जिससे सांप्रदायिक हिंसा बढ़ सकती है और यह घोर

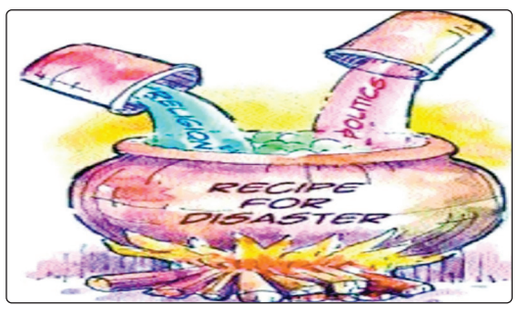

सांप्रदायिकता के बीज बो सकता है। जब स्वार्थी वोट बैंक की राजनीति हमारे राजनेताओं की राजनीतिक विचारधारा और दृष्टिकोण को निर्देशित करती है तो वे इसे अपने चुनावी लाभ के अनुरूप बना देते हैं और इस संबंध में सभी नेता एक ही रंग में रंगे हुए हैं। राजनेता 'गॉडमैन' का अनुसरण करते हैं। इसका कारण यह है कि उनके पक्के चेले और शिष्यों से उन्हें समर्पित वोट बैंक मिल जाता है, जिसके चलते वे सत्ता का केन्द्र बन जाते हैं। इसका एक उदाहरण यह है कि हरियाणा में 5 अक्तूबर को विधानसभा चुनावों के मतदान के बीच राज्य सरकार ने जेल प्रशासन से अनुरोध किया है कि डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को पैरोल पर रिहा किया जाए और यह अनुरोध राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा गया, जिसने राज्य सरकार से कहा कि राम रहीम को पैरोल देने की परिस्थितियों का औचित्य बताएं। विशेषकर इसलिए कि जब उन्होंने हाल ही में 21 दिन की फरलो पूरी की और वह 2 सितंबर को जेल में वापस आए हैं।

इसका कारण क्या है? राम रहीम, जिसे अपनी दो शिष्याओं के बलात्कार तथा 2017 में एक पत्रकार की हत्या के लिए 20 साल की सजा हुई है, का राज्य में काफी प्रभाव है और वह 2014 से भाजपा का समर्थन कर रहा है। मोदी के भ्रष्टाचार रोधी अभियान में बाबा रामदेव और श्री श्री रविशंकर भी शामिल हुए। दोनों ने प्रभावशाली भूमिका निभाई। ऐसे साधु महात्मा राजनीति में क्यों संलिप्त होते हैं। मुख्यतया इसका कारण यह है कि उन सबके गहन राजनीतिक संबंध होते हैं और ये लेन-देन के सिद्धान्त पर कार्य करते हैं। नेता अपनी राजनीति में धार्मिकता लाते हैं, जबकि ये संत-महात्मा सामाजिक सुधार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की बात भी करते हैं। आपको याद होगा कि विवादास्पद तांत्रिक चन्द्रास्वामी, जो पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के कार्यकाल के दौरान एक प्रभावशाली सत्ता के दलाल थे और वह ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर, एलिजाबेथ टेलर और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम के आध्यात्मिक गुरु भी थे, जब उनका नाम राजीव गांधी की हत्या के मामले में उछला तो वह गुमनाम हो गए। उन्हें 1996 में लंदन के एक व्यापारी को धोखा देने के मामले में गिरफ्तार किया गया और उसी वर्ष मई में उनकी मौत हो गई। इसी तरह इंदिरा गांधी के धीरेन्द्र ब्रह्मचारी गुरु थे।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भोजनालयों और खाने-पीने की वस्तुएं बेचने वाले रेहड़ी-पटरी वालों को उनके मालिकों के नाम को प्रदर्शित करने के निर्देश को आप किस रूप में देखते हैं। ऐसा कांवड़ यात्रा के दौरान किया गया और इसी को हिमाचल प्रदेश के एक मंत्री ने भी लागू करवाया, हालांकि उच्च कमान से उन्हें फटकार मिली। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के 2017 के एक निर्णय में न्यायालय की सात न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने कहा था कि कोई भी राजनेता धर्म या जाति के नाम पर वोट नहीं ले सकता। निश्चित रूप से इन दिशा-निर्देशों का उल्लंघन अधिक किया गया। समय आ गया है कि भारत धार्मिक पूर्वाग्रहों के जाल से बाहर निकले और धर्म को राज्य से अलग करे, राज्य का संविधान के अलावा कोई धर्म नहीं होता। इसके लिए सुदृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। कुल मिलाकर हर कीमत पर सत्ता प्राप्त करने के लिए लालायित हमारे नताओं को वोट बैंक की राजनीति से परे सोचना होगा और धार्मिक मुद्दों को उठाने से बचना होगा। हमारे नेताओं के संवैधानिक पद से अपेक्षा की जाती है कि वे विवेक और संयम का इस्तेमाल करें। पार्टियों को इस बात को समझना होगा कि उनके कृत्यों के चलते नुकसान स्थायी हो सकता है। घाव पीढियों तक नहीं भरते। क्या नेता इस बात पर ध्यान देंगे?

गांधी-आंबेडकर और शराब वाला सुराज

संजीव मिश्र

बिहार को देश की राजनीति में बदलाव का प्रेरक कहा जाता है। उसी बिहार से एक और आवाज उठी है, प्रशांत किशोर यानी पीके की आवाज। उम्मीदों भरी इस आवाज ने राजनीतिक शुरुआत के लिए गांधी जयंती का दिन चुना और झंडे पर गांधी के साथ आंबेडकर का चित्र लगाने की बात भी कही, किंतु यह सुराज गांधी के स्वराज से बेहद अलग है। गांधी-आंबेडकर के साथ यह शराब वाला सुराज है, हालांकि गांधी और आंबेडकर, दोनों ही शराब के मुखर विरोधी और शराबबंदी के पूर्ण पक्षधर थे।

देश के विभिन्न राजनीतिक दलों की चुनावी रणनीति तैयार करने में मदद करने वाले प्रशांत किशोर अब खुद बिहार में राजनीतिक पारी खेलने की तैयारी में हैं। इसके लिए उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शस्त्र 'पदयात्रा' को सहारा बनाया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी, जन सुराज पार्टी, की घोषणा के लिए गांधी जयंती का ही दिन चुना। ऐसा लग रहा था, मानो प्रशांत किशोर अपनी राजनीति को गांधी के स्वराज की अवधारणा से जोड़कर चलाना चाह रहे हैं। पार्टी की घोषणा वाले दिन प्रशांत ने गांधी के साथ आंबेडकर को भी जोड़ा और घोषणा की कि उनकी पार्टी के झंडे में महात्मा गांधी के साथ बाबा साहब आंबेडकर का भी चित्र होगा। इसके अलावा, प्रशांत किशोर ने एक और बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर वह बिहार में अप्रैल 2016 से लागू शराबबंदी भी हटा देंगे।

बिहार में शराबबंदी हटाने और एक बार फिर शराब बेचने संबंधी प्रशांत किशोर की घोषणा गांधी और आंबेडकर के विचारों के विपरीत है, जिससे उनके ऊपर संदेह पैदा हो रहे हैं। दरअसल, महात्मा गांधी शराब के जोरदार विरोधी थे और यह बात देश के बच्चे-बच्चे को पता है। मोहनदास करमचंद गांधी ने अपनी किताब प्रोहिबिशन ऐट एनी कॉस्ट के पेज नौ पर लिखा था, 'यदि मुझे एक घंटे के लिए पूरे भारत का तानाशाह बना दिया जाए, तो जो एक चीज मैं करूंगा, वह यह कि देश की तमाम शराब की दुकानों को बिना कोई मुआवजा दिए बंद कर दूंगा'। यहीं गांधी और प्रशांत किशोर के

विचारों में अंतर साफ नजर आता है। गांधी सत्ता प्राप्त होने की स्थिति में एक घंटे के अंदर पूर्ण शराबबंदी की बात करते हैं, वहीं प्रशांत किशोर भी सत्ता मिलने पर एक घंटे के भीतर शराबबंदी हटाने की बात करते हैं।

महात्मा गांधी पूर्ण शराबबंदी से कम, किसी भी स्थिति को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे। लगभग सौ साल पहले 16 अप्रैल, 1925 को यंग इंडिया में गांधीजी ने लिखा था, 'शराब कोई मामूली बात नहीं है। कोई भी नरम और आसान नीति इस भयानक बुराई से नहीं निपट सकती। पूर्ण निषेध के अलावा कोई भी उपाय लोगों को इस अभिशाप से नहीं बचा सकता।' प्रशांत किशोर ने तर्क दिया है कि शराबबंदी से राज्य के राजस्व को नुकसान पहुंचता है। लेकिन महात्मा गांधी ने राजस्व के नुकसान को पूरी तरह खारिज कर दिया था। 25 जून, 1931 को यंग इंडिया में उन्होंने शराब से राजस्व अर्जित करने के स्थान पर अन्य खर्चे कम करने की बात लिखी थी।

यही नहीं, प्रशांत किशोर ने गांधी के साथ-साथ डॉ. आंबेडकर को भी अपनी पार्टी के झंडे में शामिल कर इन दोनों महान नेताओं के आदर्शों पर चलने का संकेत दिया है। यह संयोग ही है कि गांधी की ही तरह आंबेडकर भी शराबबंदी के पक्षधर और शराब पीने के मुखर विरोधी थे। 1956 में बौद्ध धम्म ग्रहण करते समय डॉ. आंबेडकर द्वारा ली गईं 22 प्रतिज्ञाएं खासी चर्चित हैं, उनमें से एक है, 'मैं शपथ लेता हूं कि शराब और नशा का सेवन नहीं करूंगा'। इससे स्पष्ट है कि बाबा साहब आंबेडकर शराब के किस हद तक विरोधी थे। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति राजनीति की शुरुआत ही शराबबंदी के विरोध को लेकर करे और कहे कि सत्ता में आने के एक घंटे के भीतर वह राज्य में दोबारा शराब बिकवाने लगेगा, वह व्यक्ति बाबा साहब की वैचारिकी से कितना दूर है, यह बात स्पष्ट हो जाती है। गांधी और आंबेडकर, दोनों ही शराब के उपयोग को लेकर स्पष्ट थे। वे नहीं चाहते थे कि देश में शराब की उपलब्धता को सुगम किया जाए। यही कारण है कि गांधी के राज्य गुजरात में 1960 में लागू की गई शराबबंदी को खत्म करने का साहस वहां की कोई भी सरकार नहीं कर पाई है। गुजरात के बाद मिजोरम, नगालैंड और बिहार में भी शराबबंदी लागू की गई। बिहार में नीतीश कुमार शराबबंदी लागू कर नायक बने, वहीं अब प्रशांत किशोर सत्ता की चाबी मिलते ही शराबबंदी समाप्त करने की बात कर रहे हैं। यदि ऐसा संभव हुआ, तो गांधी-आंबेडकर के साथ शराब वाला सुराज कैसा होगा, यह एक यक्ष प्रश्न है।

उत्तर प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था और जातिवाद की जहरीली होती राजनीति

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनावों में पार्टी के सांसदों की संख्या बढ़कर 37 हो जाने से समाजवादी पार्टी विशेष उत्साह में है और जहाँ जहाँ भी उसके सांसद जीते हैं वहाँ वहाँ पार्टी के कार्यकर्ता न केवल अराजकता का वातावरण बनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं वरन जातिवादी जहर घोलने का प्रयास भी कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्रदेश की योगी सरकार लगातार अपराध और अपराध जगत पर जीरो टालरेंस की नीति पर चल रही है जिसमें कुख्यात माफियाओं व अपराधियो के एनकाउंटर हो रहे हैं तथा बुलडोज़र भी चलाये जा रहे हैं, कई जगह अपराधी स्वयं ही आत्समर्पण भी कर रहे हैं या फिर अपना काम धंधा बदल रहे हैं। प्रदेश का जन सामान्य योगी सरकार की बुलडोज़र नीति से प्रसन्न है जबकि विपक्ष लगातार यही आरोप लगा रहा था कि बुलडोज़र से लोगों को डराया जा रहा है या अल्पसंख्यको को सताया जा रहा है आदि-आदि। जब सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर पर अंतरिम रोक लगाई तो पूरा विपक्ष खुशियाँ मनाने लगा जबकि सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माण को अपने आदेश से अलग रखा था। योगी राज्य में बुलडोज़र केवल अतिक्रमण पर ही चलता है अत: प्रशासन को अपना काम करने में कोई समस्या नहीं आई। आश्चर्यजनक रूप से समाजवादी नेता अपनी जातिवाद की राजनीति को और पैना करने के लिए अपराधियों के पक्ष में खड़े हो रहे हैं। वहीं विगत दिनों हुई कुछ आपराधिक घटनाओं में शामिल लोग समाजवादी पार्टी से सम्बंधित रहे हैं संभवत: यही कारण है कि समाजवादी नेता अखिलेश यादव सहित अन्य सभी जातिवादी नेता जातिवाद के जहर को और तीखा कर रहे हैं। अयोध्या से लेकर कनौज तक दुष्कर्म की जितनी भी घटनाएं सामने आई हैं उसमें सपा कनेक्शन मिला, प्रयागराज में अवैध मदरसे में चल रहा जाली नोट का व्यापार व फिर कौशाम्बी में जाली नोट खपाने वाले सपा के दो नेता अपने दस सहयोगियों के साथ पकड़े गए स्वाभाविक रूप से आपराधिक घटनाओं में लिप्त पार्टी को बैकफुट पर जाने से बचाने के लिए ही अपराध की वीभत्सता तथा गम्भिरता की जगह अपराधी की जाति बीच में लाई जा रही है। अगस्त माह के अंत में सुल्तानपुर में डकैती डालने आये गिरोह के सदस्यों का एनकाउंटर हुआ जिसमें से एक मंगेश यादव के नाम पर समाजवादी नेता यादव समाज की सहानुभूति बटोरने के लिए उसके घर पहुंच गये और उसका महिमा मंडन करते हुए कहा कि यह एनकाउंटर नहीं एक हत्या है और अब सपा इस मामले को आगामी विधानसभा सत्र में भी जोर शोर से उठाने जा रही है। समाजवादी नेता आजकल जातिगत आधार पर ही अपराध और अपराधियों का संरक्षण व महिमामंडन कर रहे हैं। प्रदेश की राजनीति में आज सभी दल अपराधी की जाति देखकर उस पर होने वाली कार्यवाही का तीखा विरोध कर रहे हैं जबकि प्रदेश में 2012 से 2017 तक सपा सरकार के शासन काल में पुलिस मुठभेड़ में 34 अपराधी मारे गये थे तथापि उनके शासनकाल में अपराध और अपराधियों का जोरदार बोलबाला था। एक समय था कि कोई सपने में भी नहीं सोच पाता था कि प्रदेश को कभी अतीक जैसे माफियाओं से मुक्ति मिलेगी या फिर बड़े सफेदपोश लोग जेल जाएंगे। पिछली सरकारों के कई एनकाउंटर में तो मजिस्ट्रेट जांच तक नहीं ती थी। जबकि योगी सरकार में सभी एनकाउंटर की मजिस्ट्रेट जांच हो रही है यहां तक कि कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी की जेल में हुई स्वाभाविक मौत की भी जांच हुई। योगीराज में प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने लिए साढ़े सात वर्षो में 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त 872 नशा व हथियार तस्करी अपराधी और 379 साइबर अपराधियां को गिरफ्तार किया है। साथ ही 3,970 संगठित अपराधियों को गिरफ्तार किया है। प्रदेश सरकार अवैध नशे के खिलाफ भी व्यापक अभियान चला रही हे जिसमें अभियुक्तों से सर्वाधिक गांजा बरामद हुआ है व अन्य नशीले पदार्थ भी बरामद हो रहे हैं। समाजवादी नेता अखिलेश यादव ने एसटीएफ को भी नहीं छोड़ा ओर उसमें शामिल अधिकारियों की जाति को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उकेर दिया ओर बताया कि कौन सा अधिकारी किस जाति का है। जब जातिवाद की राजनीति बहुत उग्र होने लग गई तब आंकड़ों को देखने से स्पष्ट हुआ कि विगत 7 साल में 207अपराधी एनकाउटर में मारे गये जिसमें- 67 मुसिलम, 20 ब्राहमण, 18 ठाकुर, 17 जाट और गुर्जर 16 यादव, 14 दलित, तीन ट्राइबल, दो सिक्ख, 8 ओबीसी और 42 दूसरी जातियों के थे। जिस प्रकार से अपराधियों के पक्ष में जाति की राजनीति हो रही है वह सभ्य समाज के लिए उचित नहीं है। यह कहना पूरी तरह से गलत है कि यूपी की पुलिस जाति देखकर एनकाउंटर कर रही हैं या फिर अपराधियों को पकड़ रही है। प्रदेश सरकार अपराधियों का जाति और मजहब नहीं देखती। आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की प्रशंसा हर कोई कर रहा है बड़े बड़े उद्योगपति व निवेशक प्रदेश आ रहे हैं और यही बात विपक्षी नेताओं को रास नहीं आ रही है ।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

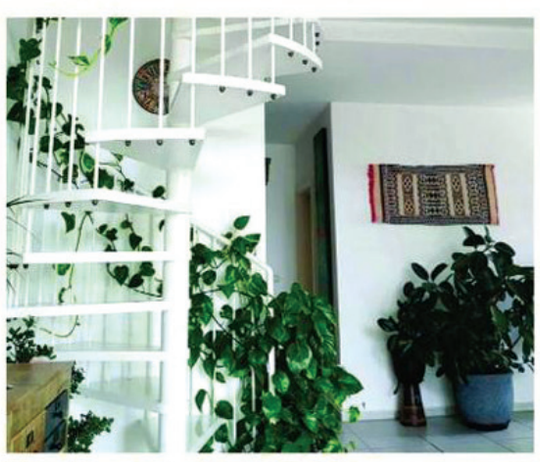

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पांउड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

हरियाणा में पिछड़ते ही चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

चंडीगढ़। हरियाणा में मतो की गिनती में देरी और डाटा अपडेट में देरी का आरोप लगाता हुए कांग्रेस चुनाव आयोग गई। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी, जयराम रमेश ने चुनाव आयोग को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें अनुरोध किया गया कि वह अपने अधिकारियों को वेबसाइट को सच्चे और सटीक आंकड़ों के साथ अपडेट करने के लिए तत्काल निर्देश जारी करें ताकि झूठी खबरों और दुर्भावनापूर्ण आख्यानों का तुरंत मुकाबला किया जा सके। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर डाटा नहीं अपलोड करने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस का दावा है कि जानबूझकर चुनाव आयोग डाटा अपलोड नहीं कर रहा है। हालांकि, भाजपा ने इसको लेकर पलटवार किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अगर जयराम रमेश ने अभी से यह कहना शुरू कर दिया है और चुनाव आयोग पर उंगली उठानी शुरू कर दी है तो हमें समझ लेना चाहिए कि उन्होंने अपनी हार स्वीकार कर ली है।

अरविंद केजरीवाल का कांग्रेस पर तंज

नईदिल्ली। हरियाणा चुनाव के परिणाम में भाजपा के बढ़त बनाने के बीच आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणामों का ''सबसे बड़ा सबक'' यह है कि चुनावों में कभी भी 'अति आत्मविश्वासी' नहीं होना चाहिए। केजरीवाल ने आप के नगर पार्षदों को संबोधित करते हुए इशारों-इशारों में कांग्रेस पर तंज कसते नजर आएं। उन्होंने कहा कि देखिए, हरियाणा में चुनाव के नतीजे क्या रहते हैं। सबसे बड़ा सबक यही है कि किसी को भी चुनाव में अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए। किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हर चुनाव और हर सीट मुश्किल होती है। आपको बता दें कि हरियाणा में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद के कारण आप कांग्रेस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन करने में विफल रही थी। कांग्रेस द्वारा नौ सीट दिए जाने की उसकी मांग ठुकरा दिए जाने के बाद पार्टी ने राज्य की कुल 90 सीटों में से 89 पर अपने बलबूते चुनाव लड़ा।

हरियाणा में आप की हार पर स्वाति की केजरीवाल को नसीहत

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का बुरा हाल देखने को मिला। किंगमेकर का सपना लेकर चुनाव लड़ रही आप पार्टी को करारी हार मिली है। कई सीटों पर तो खाता भी नहीं खुला और कई उम्मीदवारों की जमानत जब्त होती नजर आ रही है। इसी बीच पार्टी की बागी सांसद स्वाति मालीवाल ने भी आप के जख्मों पर नमक छिड़क दिया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर सीधा हमला अरविंद केजरीवाल पर किया। एक्स पर पोस्ट साझा कर स्वाति मालीवाल ने लिखा कि सिर्फ कांग्रेस से बदला लेने के लिए हरियाणा में उतरे थे। लेकिन मेरे ऊपर भाजपा एजेंट होने के झूठे आरोप लगाए गए। आप पार्टी ने खुद आज इंडिया एलाइंस से गद्दारी करके कांग्रेस की वोट काट रहे हैं। सब छोड़ो, विनेश फोगाट तक को हराने के लिए प्रत्याशी उतारा। क्यों ऐसा हाल आ गया है कि अपने गृह राज्य में जमानतें नहीं बचा पा रहे? अभी भी वक्त है। अहंकार छोड़ो, धुंधली आंखों से पर्दा हटाओ, ड्रामा मत करो और जनता के लिए काम करो।

विनेश फोगाट की जीत पर बजरंग पूनिया ने दी बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में जुलाना से प्रत्याशी पहलवान और कांग्रेस नेता विनेश फोगाट जीत गई हैं। ये पहली बार है कि विनेश फोगाट कुश्ती के मैदान से निकलकर राजनीति के रण में उतरी और पहली बार में ही उन्होंने बंपर जीत दर्ज की है। विनेश के जीतने के बाद दिग्गज पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया की पहली प्रतिक्रिया सामने आई। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी भावनाएं प्रकट की। उन्होंने लिखा, देश की बेटी विनेश फोगाट को उनकी जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। यह लड़ाई सिर्फ एक जुलाना सीट के लिए नहीं थी, यह सिर्फ 3-4 अन्य उम्मीदवारों के साथ नहीं थी, यह सिर्फ पार्टियों के बीच की लड़ाई नहीं थी। यह लड़ाई देश की सबसे मजबूत दमनकारी ताकतों के खिलाफ थी। और विनेश विजयी हुईं। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, विनेश फोगट को विजेता घोषित किया गया।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने मानी हार

श्रीनगर। पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में पीडीपी की हार को स्वीकार कर चुकी हैं। इल्तिजा मुफ्ती खुद पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही थीं, ने शुरुआती रुझानों में 3,000 से अधिक वोटों से पिछड़ने के बाद मंगलवार को हार स्वीकार करने की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करता हूं। बिजबेहारा में सभी से मुझे जो प्यार और स्नेह मिला, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा। मेरे पीडीपी कार्यकर्ताओं का आभार, जिन्होंने इस पूरे अभियान में इतनी मेहनत की। सातवें दौर की गिनती के अंत में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी नेशनल कॉन्फ्रेंस के बहिर अहमद वीरी से 3,788 वोटों से पीछे चल रही थीं। पहली बार चुनावी मैदान में उतरीं इल्तिजा मुफ्ती तेजी से जम्मू-कश्मीर में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्ती के रूप में उभर रही हैं।

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को नकारा

खट्टर बोले- हमने पहलवानों, किसानों और युवाओं के लिए किया काम

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव ने राजनीतिक पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए एक आश्चर्यजनक परिणाम दिया है। रुझानों के अनुसार, सत्तारूढ़ भाजपा को 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में लगभग 5श सीटें जीतने की संभावना है। भाजपा ने इसको लेकर जश्न मनाना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर का भी बयान सामने आया है। मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मुद्दा (चुनाव का) यह था कि हमने हरियाणा के पहलवानों, किसानों, युवाओं के लिए जो काम किया है, वह कांग्रेस कभी नहीं कर सकती।

खट्टर ने आगे कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस जीत का श्रेय हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों को जाता है। हमारे सीएम ने पहले ही कहा था %एक दिन आएगा जब जनता देगी जवाब और कांग्रेस एक ही बात कहेगी कि ईवीएम खराब है। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। जनता ने यह संदेश दिया है कि पीएम मोदी की नीतियों का राज्य की जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हरियाणा में यह रिकॉर्ड है कि कोई पार्टी तीसरी बार सत्ता में आई है।

नायब सिंह सैनी ने अपने बयान में कहा कि मैं लाडवा की जनता और हरियाणा की 2.80 करोड़ आबादी को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। हरियाणा की जनता ने पीएम मोदी की नीतियों पर मुहर लगा दी है। सैनी ने कहा कि मैं प्रमाणपत्र लेने जाऊंगा और फिर ज्योतिसर मंदिर में भगवान कृष्ण की पूजा करूंगा। हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता ने इस सरकार को चुना है और हम पीएम मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ेंगे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कह दिया है कि एक मोदी सब पर भारी हैं। उन्होंने कहा कि हम एक मोदी सब पर भारी के नतीजे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने उन्हें (राहुल गांधी) सबक सिखा दिया है। उन्हें राहुल गांधी के बयानों पर नहीं बल्कि पीएम मोदी पर भरोसा है। सभी किसान और पहलवान हमारे साथ हैं।

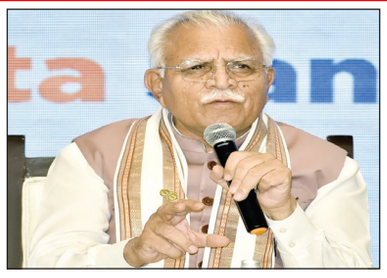

भाजपा नेता ने कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस पार्टी को हराया है। वे भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकते। उन्होंने (राहुल गांधी) फारूक अब्दुल्ला का समर्थन किया। बवानी खेड़ा विधानसभा सीट से बीजेपी के प्रमुख उम्मीदवार कपूर सिंह ने कहा कि मैं जीत गया हूं क्योंकि लोगों ने मुझे अपना समर्थन दिया है। लोगों ने साबित कर दिया है कि जो काम करता है वह कभी नहीं हारता। उन्होंने कहा कि मैं लोगों के बीच रहा हूं...लोगों ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। जैसे ही भाजपा की सरकार बनी जनता ने केंद्र में तीसरी बार, हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

हरियाणा के नतीजे लोकतंत्र की हार, यह सिस्टम की जीत है, नतीजा स्वीकार नहीं : पवन खेड़ा

नईदिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अब जबरदस्त तरीके से सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रही है। इन सब के बीच कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा है कि यह नतीजा उसे स्वीकार नहीं है। हरियाणा में तंत्र की जीत हुई है। लोकतंत्र हार गया है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों से जो शिकायती आ रही है, उसे हम चुनाव आयोग तक पहुंचाएंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नतीजे पूरी तरह अप्रत्याशित हैं और हम तो यहां तक कहेंगे कि ये अस्वीकार्य हैं। खेड़ा ने दावा किया कि हमारे प्रत्याशी के बारे में तीन जिलों, हिसार, महेंद्रगढ़ और पानीपत से लगातार शिकायतें आ रही हैं। लगातार शिकायतें आ रही हैं कि कैसे कुछ मशीनों की बैटरियां जो 99% थीं उनमें हमें हारते हुए दिखाया गया और जिन मशीनों को छुआ तक नहीं गया, जिनकी बैटरियां 60-70% थीं उनमें हमारे उम्मीदवार को जीतता हुआ दिखाया गया। उन्होंने कहा कि अगर एक लाइन में कहा जाए तो ये सिस्टम की जीत और लोकतंत्र की हार है। हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। हम शिकायतें एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे उम्मीदवारों ने वहां के रिटर्निंग ऑफिसर्स को शिकायतें दी हैं और अब भी दे रहे हैं। आने वाले दिनों में हम जल्द ही इन सभी शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग जाएंगे और वहां अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे। इस तरह का परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आया। किसी को यकीन नहीं हो रहा कि हरियाणा में इतना अप्रत्याशित परिणाम आएगा। हम सब हैरान हैं। पार्टी सांसद जयराम रमेश ने कहा कि हरियाणा में नतीजे पूरी तरह से अप्रत्याशित, पूरी तरह से आश्चर्यजनक और उलटे हैं। यह जमीनी हकीकत के विपरीत है। रमेश ने कहा कि यह उस चीज़ के ख़िलाफ़ है जिसके लिए हरियाणा के लोगों ने अपना मन बना लिया था, जो परिवर्तन और परिवर्तन के लिए था। मुझे लगता है कि इन परिस्थितियों में हमारे लिए आज घोषित नतीजों को स्वीकार करना संभव नहीं है।

उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होंगे: फारूक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस के गठबंधन की सरकार बनती नजर आ रही है। इस बीच सीएम को लेकर चर्चा तेज हो चली है। एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में एनसी-कांग्रेस गठबंधन के सरकार बनाने की ओर बढ़ने पर यह घोषणा की। गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा किसे बनाया जाएगा, इसके बारे में पूछे जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से कहा, उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री होंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने कहा कि यह परिणाम इस बात का सबूत है कि जम्मू कश्मीर के लोग अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ थे। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों ने अपना फैसला दे दिया है और यह साबित कर दिया है कि पांच अगस्त 2019 को लिए गए फैसले उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं। मैं सभी का शुक्रिया अदा करता हूं कि लोगों ने चुनावों में भाग लिया और स्वतंत्र रूप से मतदान किया। मैं नतीजों के लिए ईश्वर का आभारी हूं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चुनी हुई सरकार को लोगों की ''पीड़ाओं'' को खत्म करने के लिए बहुत काम करना होगा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमें बेरोजगारी खत्म करनी होगी और महंगाई तथा मादक पदार्थ की समस्या जैसे मुद्दों से निपटना होगा। अब कोई उपराज्यपाल और उनके सलाहकार नहीं होंगे। अब 90 विधायक होंगे जो लोगों के लिए काम करेंगे।

जम्मू कश्मीर के परिणाम पर महबूबा मुफ्ती ने एनसी-कांग्रेस को दी बधाई

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को खासी सफलता मिली है। वहीं पीडीपी के हिस्से ज्यादा कुछ हाथ नहीं लगा है। विधानसभा चुनाव के नतीजों पर पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती का बयान सामने आया है। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के निर्णायक फैसले से सबक लेना चाहिए और आगामी नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस सरकार के मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व को उसकी जीत पर बधाई दी और कहा कि उनकी पार्टी रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैं नेकां नेतृत्व को उसकी शानदार जीत के लिए बधाई देता हूं। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी एक स्थिर सरकार के लिए मतदान करने के लिए बधाई देना चाहता हूं, न कि त्रिशंकु विधानसभा के लिए क्योंकि लोगों को विशेष रूप से 5 अगस्त, 2019 के बाद कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक स्थिर और मजबूत सरकार है उन समस्याओं के निवारण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

जम्मू-कश्मीर नतीजों पर बोली भाजपा, कांग्रेस मुक्त हो गया जम्मू

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों में कांग्रेस-एनसी गठबंधन को बहुमत मिली है। हालांकि, भाजपा का भी जम्मू क्षेत्र में प्रदर्शन ठीक रहा है। इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह ने कहा कि यह बीजेपी का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। हमने 29 सीटें जीती हैं और हमें और सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमने यह चुनाव पूरी तरह से विकास के मुद्दे पर लड़ा। हमने जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठने का प्रयास किया और इस चुनाव को एक नई संस्कृति दी। जम्मू-कश्मीर में कल्याणकारी योजनाएं सभी धर्मों के हर व्यक्ति तक पहुंचीं।

भाजपा नेता ने कहा कि इंडिया गुट ने चुनावों में ध्रुवीकरण करने की कोशिश की लेकिन हमने समग्र रूप से चुनाव लड़ा। हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर से भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में सिर्फ 5 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें से उन्हें सिर्फ 2 पर जीत मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य लड़ाई कांग्रेस के खिलाफ थी और हम इस तथ्य से संतुष्ट हैं कि राष्ट्रीय रुझान जम्मू-कश्मीर में जारी है।

बीजेपी नेता जी किशन रेड्डी ने कहा कि अभी तक किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। जम्मू-कश्मीर में हमारी पार्टी के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक सीटें हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्होंने पीएम मोदी का आत्मविश्वास गिरा दिया, लेकिन मोदी 3.0 के 100 दिनों में किया गया विकास जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ हरियाणा में भी साफ नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुलना में जम्मू क्षेत्र में हमारी सफलता दर उत्कृष्ट है। अब जम्मू कांग्रेस मुक्त हो गया है, उन्हें जम्मू में सिर्फ एक सीट मिली है। हम 68% के स्ट्राइक रेट के साथ 29 सीटों पर आगे हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टी20 मैच आज

नईदिल्ली। ग्वालियर टी20 मैच जीतने के बाद टीम इंडिया मंगलवार यानी 8 अक्टूबर को दिल्ली पहुंच गई है। जहां भारतीय टीम का स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ हुआ, इस दौरान टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ढोल की ताप पर भांगड़ा करते हुए नजर आए। इसका वीडियो बीसीसीआई ने अपने एक्स पर शेयर किया है। बता दें कि, 9 अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा।

भारत और बांग्लादेश के बीच ग्वालियर में पहला टी20 मैच खेला गया, जिसे भारत ने जीता और सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। वहीं फैंस को टीम इंडिया से दूसरे टी20 मैच में भी उम्मीद है कि वह बांग्लादेश को दूसरे टी20 मैच में भी हराएगी। इससे पहले दोनों टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली गई थी जिसे रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम ने 2-0 से अपने नाम किया था। वहीं टी20 सीरीज शुरू होने से पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो ने कहा था कि, टीम टी20 सीरीज को आक्रामक होकर खेलेगी। जिसके बाद पहले टी20 में बांग्लादेश की पूरी टीम 127 रनों पर ही सिमट गई। भारत ने मैच 12वें ओवर से पहले ही जीत लिया था। बांग्लादेश के कप्तान ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के बाद अपने बैटर्स को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कि पावरप्ले में तेजी से बैटिंग करना बहुत जरूरी है। वहीं टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने साथी खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की थी।

भारतीय टीम: अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, रियान पराग, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, नीतीश रेड्डी, हर्षित राणा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में रौनक, सेंसेक्स निफ्टी हरे निशान में बंद

नईदिल्ली। लगातार छह दिन की गिरावट के बाद आज यानी मंगलवार को शेयर बाजार में फिर बढ़त देखने को मिली। पिछले कई दिनों से ईरान-इजराइल तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और एफपीआई की तरफ से शेयरों में जबरदस्त बिकवाली चल रही थी मगर आज यह सिलसिला थम गया। इसके अलावा, लगातार कई दिनों से शेयर बाजार में गिरावट को देखते हुए आज निवेशकों ने गिरावट पर शेयरों की जबरदस्त खरीदारी की। जिसका असर मार्केट पर बढ़त के तौर पर देखने को मिली। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 0.72% या 584.81 अंक बढ़कर 81,634.81 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 217.40 अंक या 0.88% की बढ़त बनाते हुए 25,013.15 के लेवल पर बंद हुआ। बीएसई पर आज कुल मिलाकर 4045 कंपनियों के शेयर में ट्रेड हुआ, जिसमें से 3,021 शेयरों में बढ़त देखने को मिली और 923 शेयरों ने गिरावट दर्ज की।

एनएसडीएल के आईपीओ को सेबी की हरी झंडी

नईदिल्ली। मार्केट में आईपीओ के मोर्चे पर हलचल जारी है। एक और बड़ी कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आईपीओ को मंजूरी दे दी है। 30 सितंबर को इस संबंध में सेबी ने ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया था। यह आईपीओ लंबे समय से चर्चा में था और कंपनी इसके लिए तैयारी कर रही थी। बता दें कि एनएसडीएल देश की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी कंपनी है, जो वित्तीय बाजारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एनएसडीएल ने जुलाई 2023 में सेबी के पास अपने आईपीओ के लिए आवेदन किया था, जिसे बाजार नियामक ने स्थगित रखा था। एनएसडीएल भारत की सबसे बड़ी डिपॉजिटरी है, जबकि इसकी प्रतिद्वंद्वी सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) पहले से ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध है।

एडीबी ने 42 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने महाराष्ट्र में तटीय और नदी तट संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए 42 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी है । एडीबी के एक आधिकारिक बयान के अनुसार , स्वीकृत ऋण स्थानीय समुदायों और प्राकृतिक संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्रों के लचीलेपन को बढ़ाने में मदद करेगा। एडीबी ने कहा कि महाराष्ट्र में इस ऋण के इस्तेमाल से सतत जलवायु-लचीलेपन के लिए तटीय संरक्षण और प्रबंधन परियोजना के तहत अपतटीय चट्टानें, शीट पाइल्स, समुद्र तट पोषण और वनस्पति रोपण जैसे काम किए जाएंगे ताकि समुद्र तट की स्थिति को बहाल और स्थिर रखा जा सके। एडीबी जल संसाधन विशेषज्ञ मैरी एल होस्टिस ने कहा, यह परियोजना अपतटीय रीफ निर्माण और चट्टान संरक्षण कार्यों जैसे नए इंजीनियरिंग हाइब्रिड दृष्टिकोणों को अपनाने के लाभों से संबंधित है।

एशिया की सबसे बड़ी माल्ट डिस्टिलरी भारत में!

नागपुर। पीएम मोदी का मेक इन इंडिया अभियान हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अब भारत माल्ट डिस्टिलरी सेक्टर में भी सरताज बनेगा। जी हां, शीवाज रीगल और एब्सोल्यूट वोदका बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी पर्नो रिका भारत में माल्ट डिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन फेसिलिटी विकसित करने के लिए 1,785 करोड़ रुपये का निवेश करने वाली है। कंपनी का यह प्लांट महाराष्ट्र में नागपुर के बुटीबोरी में लगने वाला है। इसके लिए कल ही एक पारंपरिक भूमि पूजन समारोह का आयोजन किया गया था। पर्नो रीका के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि नागपुर का बुटीबोरी यूनिट एशिया का सबसे बड़ा माल्ट डिस्टिलरी एंड मैच्योरेशन यूनिट होगा। इस फेसिलिटी को डेवलप करने के लिए अभी करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। इसमें जमीन की लागत भी शामिल है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक और भारत के बाजार, नीतिगत दरों में कटौती से चीन परेशान

सतीश सिंह

अमेरिका के फेडरल रिजर्व के नक्शे-कदम पर दुनिया भर के केंद्रीय बैंक चलते हैं। हालांकि, सभी देशों की आर्थिक स्थिति अलग-अलग होने के कारण कभी-कभी कुछ देशों के केंद्रीय बैंक अलग निर्णय लेते हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें, तो भारत भी फेडरल रिजर्व बैंक के निर्णयों के अनुरूप कदम उठाता है।

विगत चार वर्षों में पहली बार फेडरल रिजर्व ने हाल ही में नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की, जिसके बाद दुनिया के दूसरे केंद्रीय बैंकों द्वारा भी नीतिगत दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई है। फेडरल रिजर्व के ताजा निर्णय के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में ज्यादा निवेश किया है। दरअसल, डॉलर के कमजोर पड़ने, उधारी दर में कमी आने, निवेश व कारोबारों में तेजी आने आदि की संभावना बढ़ी है, जिसकी पुष्टि निवेश में तेजी से हो रही है।

चीन फिलहाल सुशासन की समस्या से जूझ रहा है, जिसके कारण विदेशी निवेशक वहां निवेश करने से परहेज कर रहे हैं और कुछ निवेशक भारत का रुख कर रहे हैं। अमेरिका की तरह चीन में भी उत्पादन, खपत आदि मापदंडों की वृद्धि अपेक्षा से अधिक धीमी है। अगस्त महीने में बेरोजगारी दर छह महीनों के उच्चतम स्तर 5.3 प्रतिशत पर पहुंच गई और शहरी बेरोजगारी दर जुलाई में 17.1 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जो जून में 13 प्रतिशत थी। विकास दर में तेजी लाने के लिए चीन के केंद्रीय बैंक ने उधारी दरों में कटौती की है, ताकि उधारी में उठाव आए और आर्थिक गतिविधियों में तेजी।

सवाल उठता है कि क्या फेडरल रिजर्व की तर्ज पर आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में

भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कटौती करेगा, क्योंकि महंगाई और विकास के बीच तालमेल बनाए रखने के लिए फरवरी, 2023 के बाद से रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया है और यह 6.5 प्रतिशत पर बरकरार है। रिजर्व बैंक को रेपो दर में कटौती करने से पहले मौजूदा आर्थिक स्थिति, जीडीपी वृद्धि दर, महंगाई की स्थिति, आर्थिक गतिविधियों की गति आदि पर गहन विमर्श करना होगा।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े निरंतर बेहतर हो रहे हैं। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कैलेंडर वर्ष 2024 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, मूडीज ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा है, लेकिन 2026 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान 6.6 प्रतिशत जताया है। ये आंकड़े विश्व के कई विकसित देशों से बेहतर हैं।

खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई और अगस्त महीने में चार प्रतिशत से नीचे रही है और बारिश के खत्म होने के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने का अनुमान है, जिससे आगामी महीनों में खुदरा मुद्रास्फीति में और भी कमी आने के कयास लगाए जा रहे हैं। मूडीज ने 2025 और 2026 में भारत में मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5 प्रतिशत और 4.1 प्रतिशत जताया है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार भी वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति घटकर 4.5 प्रतिशत रह सकती है।

एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई सितंबर 2024 में घटकर 56.7 रह गया, जो अगस्त महीने में 57.5 रहा था। सेवा पीएमआई भी सितंबर महीने में घटकर 58.9 प्रतिशत रह गया, जो अगस्त महीने में 60.9 रहा था। बेशक, विनिर्माण और सेवा पीएमआई में अगस्त महीने के मुकाबले सितंबर महीने में आंशिक गिरावट दर्ज की गई है। फिर भी, यह अभी 50 से ऊपर है।

रेपो दर फरवरी 2023 से 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है। फिर भी, उधारी के उठाव में तेजी बनी हुई है। दिसंबर, 2023 की तुलना में ऋण उठाव में 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 9 अगस्त 2024 को समाप्त पखवाड़े के लिए क्रमिक रूप से 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निरपेक्ष रूप से, पिछले आठ महीनों में, ऋण उठाव 9.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9 अगस्त, 2024 तक 168.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर जताया विश्वास : किरण देव

रायपुर। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत और लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी पर राजधानी में भाजपा नेताओं ने जबर्दस्त जश्न मनाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य और जयघोष करके विजय जुलूस निकाला। भाजपा नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन को भाजपा के प्रति बढ़ते जन विश्वास का परिचायक बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने हरियाणा के चुनाव नतीजों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा की जनता-जनार्दन ने भाजपा के प्रति अपना अगाध विश्वास व्यक्त किया है। एक्जिट पोल को लेकर अति उत्साही कांग्रेसियों को हरियाणा के एक्जेक्ट पोल ने आईना दिखा दिया है।

इन नतीजों के जरिए हरियाणा ने कांग्रेस के संविधान और आरक्षण को लेकर दोहरे राजनीतिक चरित्र पर सीधी चोट की है। देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है, विश्व-पटल पर अपनी प्रखर भूमिका का निर्वहन करते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हरियाणा के ये चुनाव नतीजे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। देव ने कहा कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर जिस विभाजनकारी टूलकिटिया एजेंडे पर काम कर रही है, हरियाणा ने भी उसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत को गांव-गरीब-किसान-मजदूर और युवाओं की जीत निरूपित करते हुए देव ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह ही हरियाणा की जनता ने भी आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से मुक्त रखकर विकास का मार्ग चुन लिया है।

हरियाणा की जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हरियाणा की जनता के हम आभारी हैं कि उसने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर विश्वास किया, जिसकी वजह से हरियाणा में कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार के कांग्रेसी मंसूबे धराशायी हुए हैं। अब हरियामा में भी लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनते ही प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पूरी कर वहाँ सुशासन स्थापित करने की रफ्तार और तेज होगी। हरियाणा विकास की तेज गति से आगे बढ़ेगा। साव ने कहा कि जनता द्वारा दिए गए आशीर्वाद को नमन करते हुए भाजपा वचनबद्ध है कि हम जन आकांक्षा और अपेक्षा की कसौटी पर खरे उतरेंगे। साव ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस के साजिशाना मंसूबों का अंधेरा छँटा है, सुशासन का सूरज निकला है और विकासपूर्ण उज्जवल भविष्य का कमल खिला है।

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की जीत पूरे हरियाणा और देश की जनाकांक्षाओं की जीत है। हरियाणा की जनता ने इस बार सर्वे में नहीं, बल्कि मतदान में कांग्रेस के प्रति एक बार फिर अपना आक्रोश दिखाया है। हरियाणा की जनता ने इस बात पर मुहर लगा दी है कि जनता की सेवा की करने की भावना किसी पार्टी में है तो वह भारतीय जनता पार्टी में है। इस बार फिर जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास दर्शाकर ये बता दिया है कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और उनके सुशासन पर विश्वास है।

हरियाणा के हर वर्ग में कांग्रेस के प्रति भारी अविश्वास है : विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हरियाणा के चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर हरियाणा समेत देश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा के हर वर्ग में कांग्रेस के प्रति भारी अविश्वास है, जिसका असर चुनाव परिणाम में दिखा है। हरियाणा के हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी की सरकार काम करेगी और हरियाणा को विकास के शिखर पहुँचाएगी। शर्मा ने कहा कि भाजपा जनादेश को पूरी विनम्रता से स्वीकार कर अब हरियाणा में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ विकास के नित-नए अध्याय लिखेगी और अपने वादों को पूरा कर जन अपेक्षाओं की कसौटी पर खरी उतरेगी। शर्मा ने कहा कि इस लगातार तीसरी जीत के साथ हरियाणा में जनता के आशीर्वाद से भाजपा की सरकार हरियाणा के सर्वतोमुखी विकास के साथ-साथ जन-जन के कल्याण के अपने संकल्पों को पूरा करके हरियाणा को अन्याय, आतंक, भ्रष्टाचार और छल कपट के कांग्रेसी टूलकिट-एजेंडे से मुक्त प्रदेश बनाने का काम करेगी। भाजपा की जीत के लिए प्रदेश की जन-शक्ति का आभार मानते हुए शर्मा ने कहा कि संविधान और आरक्षण के नाम झूठ फैलाने वाले राहुल गांधी की राजनीतिक यात्राओं को हरियाणा की जनता ने पूरी तरह खारिज कर दिया है।

हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया : संजय श्रीवास्तव

भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को भाजपा के विश्वास के अनुरूप बताते हुए कहा कि जातिवाद और साम्प्रदायिक तुष्टीकरण का जहर फैलाने में लगी कांग्रेस ने जिस दोहरे राजनीतिक चरित्र का प्रदर्शन करके देश को अराजकता की दिशा में धकेलने का जो षड्यंत्र रचा था, हरियाणा की जनता ने उसका करारा जवाब कांग्रेस को दे दिया है। हरियाणा में कांग्रेस की दुर्गति उसी का परिणाम है। भाजपा के विकास और सुशासन के प्रति अगाध समर्थन की प्रचंड आंधी में हरियाणा में कांग्रेस तिनके की तरह उड़ गई। अब हरियाणा में भाजपा की सरकार और अधिक ताकत के साथ न केवल युवाओं की प्रतिभा के अनुरूप उनके विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ाएगी, अपितु उनकी संभावनाओं के आकाश पर उनके सपनों को उड़ान भरने का पूरा मौका देगी। श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा की यह जीत हरियाणा की जनता-जनार्दन के संकल्पों की जीत है। हरियाणा की जनता ने भाजपा के संकल्पों और मोदी की गारंटी पर जो भरोसा जताया है, भाजपा की सरकार विश्वास की उस कसौटी पर एक बार फिर खरी उतरेगी। विकास का विजन, जनकल्याणकारी नीति और सेवा व सुशासन की नीयत के साथ भाजपा हरियाणा को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी।

ठगी के भगोड़ा घोषित आरोपी से अपने रिश्तों का खुलासा करें भूपेश: भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के रायपुर संभाग प्रभारी सौरभ सिंह ने कहा है कि कांग्रेस के आपराधिक चेहरे लगातार उजागर हो रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी ठगी के आरोपित के.के. श्रीवास्तव के भगोड़ा घोषित होने के मद्देनजर श्री सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को उक्त आरोपी से अपने रिश्तों को सार्वजनिक करना चाहिए। कांग्रेस शासनकाल में न केवल प्रदेश के खजाने में डाका डाला गया, हजारों करोड़ रुपए घपले-घोटाले करके प्रदेश की जनता का हक मारा गया, बल्कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को राजनीतिक संरक्षण देकर लूट मचाने की खुली छूट दी गई।

भाजपा संभाग प्रभारी सिंह ने कहा कि 15 करोड़ रुपए की ठगी करके केके श्रीवास्तव और उसका पुत्र कंचन श्रीवास्तव फरार है। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल का इस ठग के साथ क्या रिश्ता था, यह जानने का अधिकार पूरे प्रदेश को है, क्योंकि ठगी का यह आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के लिए विशेष पूजा-पाठ करता था और इसी कारण बघेल का अक्सर उसके बिलासपुर स्थित निवास में आना-जाना लगा रहता था। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के अलावा श्रीवास्तव के सरकार से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण लोगों के सम्पर्क में भी वह था। भगोड़ा घोषित श्रीवास्तव पर 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया है। श्री सिंह ने कहा कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री की उप सचिव सौम्या चौरसिया अब तक जेल में है, तत्कालीन कलेक्टर रानू साहू के खिलाफ भूपेश सरकार के ही एक तत्कालीन मंत्री ने मोर्चा खोला था। बघेल को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि कोयला घोटाले में गिरफ्तार सूर्यकांत तिवारी से मिलकर वह क्या साबित करना चाहते थे, जिससे नहीं मिलने दिए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री काफी बिफर गए थे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री शर्मा ने कि यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि ठगी के इस आरोपी ने पाँच बैंक खातों, जो ईडब्ल्यूएस मकानों के निवासियों के नाम पर हैं, के जरिए 300 करोड़ रुपए का लेन-देन किया है। बावजूद इसके, तत्कालीन सरकार और उसके प्रशासनिक अधिकारी आँखें मूंदे बैठे रहे। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का यह राज करो और लूट मचाओ एजेंडा पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल की कलंक गाथा का एक अध्याय है। ऐसी कई आपराधिक कलंक कथाएँ और चेहरे लगातार बेनकाब होंगे और आईटी जाँच के बाद सींखचों में कैद होंगे।

कांग्रेस के अंदर हो रहे हैं आपसी झगड़े, जनता ले रही मजेः साव

रायपुर। कांग्रेस संगठन में बदलाव की चर्चा के बीच उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हालात सबके सामने हैं. पार्टी के अंदर आपसी झगड़े हो रहे हैं, दुर्दशा हो गई है. एक-दूसरे को नीचा दिखाने का काम चल रहा है. प्रदेश की जनता इस स्थिति का मजे ले रही है. इसके साथ ही डिप्टी सीएम साव ने साहू समाज के 137 लोगों पर दर्ज एफआईआर समेत अन्य मुद्दों पर बयान दिया है. साहू समाज के 137 लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्यजनक घटना पर राजनीति करना उचित नहीं है. सरकार ने इस मामले की जांच का निर्णय लिया है, जो रिपोर्ट आएगी उसके आधार पर करवाई करेगी. सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है. किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, ये स्पष्ट है. इसके अलावा उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को दी गई 8 नई सड़कों की सौगात पर कहा कि देश के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 900 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 8 सड़कों को मंजूरी दी है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

छत्तीसगढ़ में 7 आईएएस अधिकारियों का तबादला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 7 आईएएस अधिकारियों के विभागों में बदलाव किया गया है. इसका आदेश सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी किया है. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, आईएएस अविनाश चंपावत को वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव सामान्य प्रशासन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. आईएएस अन्बलगन पी को सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं आईएएस टोपेश्वर वर्मा को अध्यक्ष राजस्व मंडल बिलासपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. आईएएस जितेंद्र कुमार शुक्ला को वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ प्रबंध संचालक वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इसके अलावा आईएएस विनीत नंदन कुमार को संचालक भू-अभिलेख के पद पर पदस्थ किया गया है, साथ ही संयुक्त सचिव जन शिकायत एवं निवारण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

प्रदेश में बनेगा 179 महतारी सदन, मिली स्वीकृति

रायपुर। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर

बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयास से 179 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है।

मकान से नकदी 1 लाख 35 हजार पार

रायपुर। विजय शॉप गली स्टेशन रोड गंज स्थित मकान से अज्ञात चोर ने नकदी 1 लाख 35 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी किशोर कुमार तामतानी 56 वर्ष विजय शॉप गली स्टेशन रोड गंज का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात महिला ने प्रार्थी के घर में प्रवेश कर आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 35 हजार रुपए पार कर दिया। चोरी करने वाली महिला की उम्र करीरब 25 से 30 वर्ष के आसपास बबताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। खमतराई और उरला थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम रानीसागर निवासी बेनीराम साहू 64 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एचएम 3476 को ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। इसी तरह दूसरे मामले में शहीद नगर बीरगांव निवासी प्रार्थी संजय कुमार साहू 40 वर्ष ने थाना में शिकायत किया.

रायपुर में उधार दिए पैसे मांगने पर घोंपा चाकू

रायपुर। राजधानी रायपुर में उधार दिए हुए पैसे वापस मांगने पर एक युवक ने दूसरे पर चाकू घोंप दिया है। चाकू युवक के गले को चीरते हुए अंदर घुस गया। जिससे युवक बुरी तरह लहूलुहान हो गया। इसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने युवक को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। फिलहाल इस मामले में आजाद चौक पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज लिया है। इस मामले में प्रार्थी सोहेल सुफी अहमद ने आजाद चौक थाने में एफआईआर दर्ज करवाया। उसने पुलिस को बताया कि मंगलवार को रात 10-30 के करीब लिली चौक के पास पहुंचा था। तभी वहां पर शिवम धीवर और तुषार जायसवाल दिख गए। सोहेल ने शिवम से 2 महीने पहले दिए हुए उधारी के 5 हजार रुपए वापस मांगे। शिवम ने पैसे देने के लिए आनाकानी की। जिसके बाद सोहेल ने शिवम की गाड़ी की चाबी खींच ली। इस बात से शिवम नाराज हो गया। उसने अपने पास रखे चाकू को निकाल कर सोहेल के गर्दन और गले पर वार कर दिया। चाकू सोहेल के गले को चीरते हुए अंदर घुस गया जिससे तेजी से खून निकलने लगा। सुनील घायल होकर जमीन पर गिर गया आसपास मौजूद लोगों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल इस मामले में आजाद चौक पुलिस में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में रावण दहन की तैयारियां अंतिम चरण में

रायपुर। प्रदेश के सबसे ऊंचे रावण के पुतले का दहन, हर साल की तरह इस साल भी रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में होने जा रहा है। सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति और नेशनल क्लब की संयुक्त टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। दशहरे के इस भव्य आयोजन में लाखों लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद है। 53 सालों से चली आ रही इस परंपरा को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रेलवे ट्रैक के पास होने की वजह से उसे बैरिकेडिंग कर सुरक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा, पुलिस बल और फायर सेफ्टी टीमों की भी तैनाती की गई है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। आयोजकों के अनुसार, हर साल यहां की रावण प्रतिमा की ऊंचाई प्रदेश में सबसे अधिक होती है, और इस बार भी यह परंपरा जारी रहेगी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रावण, मेघनाथ, और कुंभकर्ण के पुतलों का भव्य दहन होगा, जिसके लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

युवा उद्यमियों ने जाना, स्टार्टअप कैसे है लगाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों पर आधारित नवीन स्टार्टअप स्थापित करने हेतु इच्छुक उद्यमियों एवं नवाचारी युवाओं को सफल स्टार्टअप के गुर सिखाने के लिए छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी एवं सुभाष चन्द्र बोस इन्क्यूबेशन सेन्टर, रायपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का आज यहां समापन हुआ। इस कार्यशाला में देश के विख्यात स्टार्टअप विशेषज्ञों ने नवाचारी स्टार्टअप स्थापित करने की रणनीति, संभावनाओं, शासकीय नीतियों, स्टार्टअप स्थापित करने हेतु उपलब्ध सुविधाओं एवं अनुदान तथा स्टार्टअप स्थापित करने में आने वाली कठिनाईयों एवं चुनौतियों के बारे में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित इन्क्यूबेशन सेन्टर्स के प्रतिनिधि, स्टार्टअप संचालक, नवीन उद्यमी तथा विद्यार्थी शामिल हुए।

कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि आधारित स्टार्टअप विशेषकर बायोटेक तथा फूड प्रोसेसिंग स्टार्टअप की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कमी भी नहीं है और यहां के अनेक नवाचारी युवा उद्यमियों ने स्टार्टअप्स स्थापित किये हैं। इनमें से कुछ स्टार्टअप काफी सफल भी हुए हैं। डॉ. चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा सुभाष चन्द्र बोस इन्क्यूबेशन सेन्टर द्वारा छत्तीसगढ़ में कृषि आधारित बायोटेक स्टार्टअप्स स्थापित करने हेतु युवाओं को प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है। इन्क्यूबेशन सेन्टर में स्टार्टअप स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को वर्किंग स्पेस, गाइडेन्स, लैब सुविधाएं, टेस्टिंग सुविधाएं, इंटर्नशिप आदि प्रदान कर उन्हें स्टार्टअप स्थपित करने में सहयोग दिया जा रहा है। समारोह को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार ने कहा कि 1 नवम्बर 2024 से क्रियान्वित होने वाली छत्तीसगढ़ की नवीन उद्योग नीति 2024-2029 में कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, वनोपज, ऑटोमोबाईल्स, जेम एण्ड ज्वेलरी आदि क्षेत्रों को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में चिन्हित किया गया है और इनकों बढ़ावा देने के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नई उद्योग नीति में स्टार्टअप्स स्थापित करने वाले उद्यमियों को भी अनेक सुविधाएं, अनुदान एवं रियायते देने का प्रावधान किया गया है, जिसमें स्टार्टअप स्थापित करने के लिए भूमि क्रय करने से लेकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट निर्माण, उत्पादन एवं विपणन तक के लिए फंडिंग एवं सबसिडी दी जाएगी।

कार्यशाला को भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) की छत्तीसगढ़ में उप महाप्रबंधक सुश्री श्वेता पाण्डेय ने भी संबोधित किया और स्टार्टअप स्थापना के लिए उनके बैंक द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सुविधाओं एवं ऋण आदि के बारे में जानकारी दी।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, सरगना समेत 2 गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सोना, चांदी और नगदी चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना किरन बबन पाटिल समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह रायपुर के विभिन्न कॉलोनियों में लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। गिरोह से 15 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति भी बरामद की गई है। अपराध की योजना और गिरोह की सक्रियता-रायपुर जिले में बढ़ रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संतोष सिंह ने पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया था। इस टीम को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने का जिम्मा सौंपा गया। इसी क्रम में 28 सितंबर को हनुमान प्रसाद दुबे

नामक व्यक्ति ने थाना सिविल लाईन में शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर और उनके पड़ोसी के घर से नगदी और कीमती आभूषण चोरी हो गए हैं। हनुमान प्रसाद के अनुसार, वह 28 सितंबर को अपने काम के लिए घर से बाहर गए थे। जब वह शाम को लौटे, तो उन्हें पता चला कि उनके घर के दरवाजे का कुंदा तोड़कर अज्ञात चोरों ने लोहे की आलमारी से 1,82,000 रुपये नकद चोरी कर लिए थे। साथ ही, चोरों ने उनके पड़ोसी सुरेश बिजलानी के घर का भी ताला तोड़कर करीब 3,50,000 रुपये के सोने, चांदी और डायमंड के जेवरात चुरा लिए थे। इन घटनाओं के आधार पर थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 517/24 धारा 305, 331(3), 3(5) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच की प्रक्रिया और गिरफ्तारी-थाना सिविल लाईन और एसीसीयू (एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट) की संयुक्त टीम ने घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.